छ.ग. राज्य विद्युत कम्पनी मर्या. की गृह पत्रिका

संकल्प

मार्च-अप्रैल 2021 ■ वर्ष-18

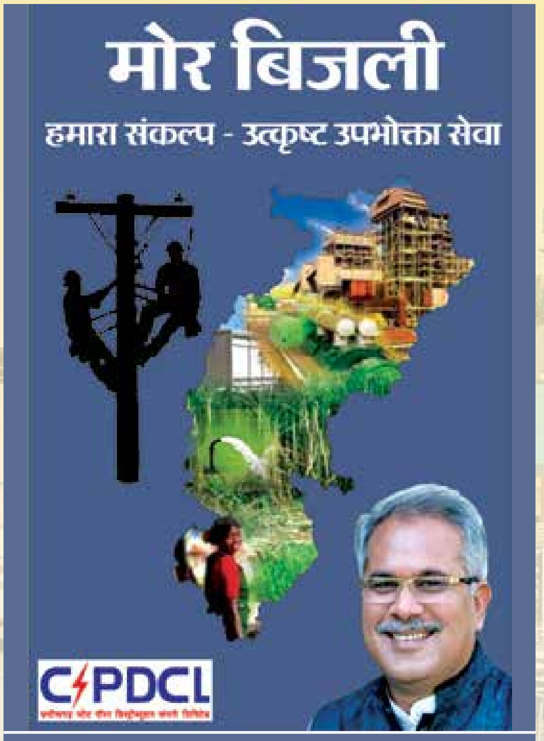

गूगल ने एप को दिया 4.5 स्टार रेटिंग

एक कदम स्वच्छता की ओर

EYE ON DEVELOPMENT OF CHHATTISGARH

छ.ग. राज्य विद्युत कम्पनी मर्या. की गृह पत्रिका

संकल्प

मार्च-अप्रैल 2021 ▪ वर्ष-18

संरक्षक

श्री अंकित आनंद (IAS)
अध्यक्ष

श्री अशोक कुमार
प्रबंध निदेशक
(ट्रांसमिशन कंपनी)

श्री एन.के. बिजौरा
प्रबंध निदेशक
(जनरेशन कंपनी)

श्री राजेश वर्मा
प्रबंध निदेशक
(ट्रेडिंग कंपनी)

श्री हर्ष गौतम
प्रबंध निदेशक
(डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी)

श्रीमती उज्ज्वला बघेल
प्रबंध निदेशक
(होल्डिंग कंपनी)

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी मर्यादित

प्रदेश में विद्युत प्रगति का पटल (प्रावधिक)

	नवंबर 2000	अप्रैल 2021
ताप विद्युत क्षमता	1240 मेगावॉट	3080 मेगावॉट
जल विद्युत क्षमता	120 मेगावॉट	138.70 मेगावॉट
कुल ताप, जल विद्युत क्षमता	1360 मेगावॉट	3224.70 मेगावॉट
क्षमता वृद्धि	---	1864.70 मेगावॉट
अति उच्चदाब उपकेंद्रों की संख्या	27 नग	123 नग
अति उच्चदाब लाइनों की लंबाई	5205 सर्किट कि.मी.	12869 सर्किट कि.मी.
केपेसिटर स्थापित क्षमता	94 एमव्हीएआर	1085 एमव्हीएआर
33/11 केव्ही उपकेंद्रों की संख्या	248 नग	1321 नग
33 केव्ही लाइनों की लंबाई	6988 सर्किट कि.मी.	23304 स. कि.मी.
11/04 केव्ही उपकेंद्रों की संख्या	29692 नग	191831 नग
11 केव्ही लाइनों की लंबाई	40556 कि.मी.	122421 कि.मी.
निम्नदाब लाइनों की लंबाई	51314 कि.मी.	207060 कि.मी.
विद्युतीकृत मजराटोलों की संख्या	10375	39526
विद्युतीकृत पंपों की संख्या	73369	458646
एकलबत्ती कनेक्शन की संख्या	630389	1930352

संपादक : **विजय कुमार मिश्रा** अतिरिक्त महाप्रबंधक (जनसंपर्क)
सह सम्पादक : **अनामिका मण्डावी** ● सहयोग : **जाबिर मोहम्मद कुरैशी, प्रसन्न दुबे**
छाया : **संजय टेम्बे**, e-mail : vijay.mishra361@gmail.com

मुख्यमंत्री जी ने वर्चुअल बैठक में बिजली विभाग के मैदानी अमले से की चर्चा

कोविड संक्रमण काल में बिजली कर्मियों की भूमिका सराहनीय : श्री भूपेश बघेल

माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने 5 मई 21 को अपने निवास कार्यालय में आयोजित वर्चुअल बैठक में पावर कम्पनी के मैदानी अमले के अधिकारियों-कर्मचारियों से चर्चा कर कोविड संक्रमण काल में सुरक्षात्मक उपायों को अपनाते हुए कर्तव्य निर्वहन के लिए प्रेरित किया। साथ ही ऐसे विकट दौर में होने वाली समस्याओं से जूझते हुए बिजली उत्पादन के साथ आपूर्ति का कार्य निर्बाध रुप से संचालित करने के लिए प्रसन्नता व्यक्त की और बधाई दी। मुख्यमंत्री जी ने कहा प्रतिकूल परिस्थितियों में कोविड प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन करें और अपने तथा अपने परिवार की सुरक्षा का ध्यान रखकर कार्य करें।

बैठक में मुख्य सचिव श्री अमिताभ जैन, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव श्री सुब्रत साहू, सचिव श्री सिद्धार्थ कोमल सिंह परदेशी, ऊर्जा विभाग के विशेष सचिव और बिजली कम्पनियों के अध्यक्ष श्री अंकित आनंद उपस्थित थे। वर्चुअल बैठक में दुर्ग, रायपुर, कोण्डागांव, जांजगीर-चांपा, बस्तर, महासमुन्द, गरियाबंद, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही, रायगढ़, कांकेर, बालोद और कोरबा जिले के विद्युत विभाग के मैदानी अमले के अधिकारी-कर्मचारी शामिल हुए।

मुख्यमंत्री जी ने कोरबा में जनरेशन कम्पनी के अधिकारियों से प्लांट के संचालन के बारे में भी जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिजली उत्पादन का कार्य महत्वपूर्ण है यदि किसी को सर्दी, बुखार हो तो उन्हें अलग रखे, ताकि संक्रमण से बचा जा सके। ऐसे व्यक्ति का इलाज कराएं। प्लांट में बाहरी व्यक्ति प्रवेश न करें यह सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कोयला आपूर्ति की भी जानकारी ली। अधिकारियों ने बताया कि पर्याप्त कोयला उपलब्ध है तथा बिजली उत्पादन का कार्य सुचारू रूप से कोविड प्रोटोकॉल का पालन करते हुए किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री जी ने बैठक में कहा कि लॉकडाउन के कारण आमजन ज्यादातर घरों में ही हैं और ऊपर से भीषण गर्मी का मौसम है। इसे देखते हुए उपभोक्ताओं को बिजली की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने की एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी बिजली अमले पर है। साथ ही साथ किसानों के सिंचाई पम्पों के ऊर्जीकरण के लंबित प्रकरणों पर त्वरित कार्यवाही कर उन्हें बिजली कनेक्शन भी देने का कार्य करना है। प्रदेश में 32 हजार सिंचाई पम्पों के कनेक्शन दिए जाने हैं, कई जिलों में इस दिशा में अच्छा काम हुआ है। लगभग सभी जगहों पर टेंडर की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। लॉकडाउन के बाद स्थिति सामान्य होने पर सिंचाई पम्पों को बिजली के कनेक्शन देने संबंधी कार्यों का तेजी से निपटारा किया जाए।

बैठक के दौरान विभिन्न जिलों से जुड़े बिजली विभाग के सहायक अभियंताओं और सहायक लाईनमेन ने बताया कि बिजली सप्लाई में समस्या आने पर त्वरित रूप से उनका निराकरण किया जा रहा है। मीटर रीडिंग का कार्य भी किया जा रहा है। बैठक के दौरान अधिकारियों-कर्मचारियों ने 18 वर्ष से अधिक आयु के लोगों का कोविड टीकाकरण कराने का आग्रह मुख्यमंत्री से किया। मुख्यमंत्री ने इस संबंध में कहा कि सबसे पहले छत्तीसगढ़ ने प्रधानमंत्री जी से 18 से 44 वर्ष आयु समूह के लोगों के वैक्सीनेशन कराने का आग्रह किया था। राज्य सरकार 18 से 44 वर्ष के आयु समूह के व्यक्तियों का निःशुल्क वैक्सीनेशन कराने के लिए प्रतिबद्ध है। वैक्सीन की उपलब्धता के आधार पर तेजी से वैक्सीनेशन किया जाएगा।

बैठक में उपस्थित बिजली कम्पनियों के अध्यक्ष श्री अंकित आनंद ने बताया कि कर्मचारी कल्याण के अंतर्गत कोविड संक्रमित अधिकारियों-कर्मचारियों को अस्पताल में इलाज के लिए कुल आकलित खर्च की 90 प्रतिशत राशि मेडिकल एडवांस के रूप में दी जा रही है। संविदा

कर्मियों को भी 50 हजार रूपए तक का मेडिकल एडवांस दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल से चर्चा के दौरान रायपुर जिले के श्री महेश्वर सिंह साकार ने बताया कि ऑनलाइन शिकायतों, टेलीफोन पर मिलने वाली शिकायतों एवं मोर बिजली ऐप के माध्यम से मिलने वाली शिकायतों का यथाशीघ्र निराकरण किया जा रहा है। कंटेनमेंट जोन में भी हम मास्क एवं सेनेटाइजर का उपयोग कर त्वरित निदान कर रहे हैं। रिसाली से श्री राजेश पांडे (जूनियर इंजीनियर) ने बताया कि काम करने में कोई परेशानी नहीं आ रही है, इस क्षेत्र में 5 सब स्टेशन है जिसकी निगरानी 24 घंटे की जा रही है। मुख्यमंत्री श्री बघेल जी द्वारा मैदानी अमले से चर्चा के दौरान बिजली खपत की जानकारी मांगी जाने पर श्री पांडे ने बताया कि लॉकडाउन में शहरी इलाकों में खपत कुछ बढ़ी है जहां फैक्ट्री एवं खेतों में पंप संचालित हैं वहां खपत कम है। मीटर रीडिंग के संबंध में उन्होंने बताया कि 95 प्रतिशत मीटर घर के बाहर होने पर किसी प्रकार की समस्या नहीं होती, जिन घरों में कोविड-19 के मरीज हैं वहां मोर बिजली ऐप के माध्यम से बिल का भुगतान किया जा रहा है।

बस्तर क्षेत्र के कनिष्ठ अभियंता श्री प्रशांत कुमार ने बताया कि कार्य स्थल पर अधिकारियों-कर्मचारियों द्वारा सेनेटाईजर एवं मास्क का उपयोग किया जा रहा है।

सरगुजा से सहायक अभियंता श्री संतोष कुमार, बालोद से गोकुल देवांगन सहायक लाइनमैन ने बताया कि वे लोग फील्ड में मास्क लगाते हैं कोविड प्रोटोकॉल का पालन कर रहे हैं। रायगढ़ के कनिष्ठ अभियंता श्री मनीष कुमार साहू ने बताया कि 300 पम्पों को बिजली कनेक्शन दिए गए हैं। धरमजयगढ़ में 53 पम्पों को, बेमेतरा के सहायक अभियंता श्री गुलाब राम ने बताया कि जिले में 2 हजार 177 पम्पों को बिजली कनेक्शन दिए गए हैं। महासमुन्द के अधिकारियों ने बताया कि जिले में एक हजार पम्पों को बिजली कनेक्शन दिए गए हैं। जांजगीर चांपा के कनिष्ठ अभियंता श्री महेश जयसवाल ने बताया कि कोविड-19 प्रोटोकॉल का पालन करते हुए कार्य कर रहे हैं।

छ.ग. जनरेशन कंपनी के ताप-जल विद्युत गृहों ने रचा सर्वाधिक उत्पादन का कीर्तिमान

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी के ताप एवं जल विद्युत गृहों ने कोरोना वायरस के संक्रमण काल में भी उत्कृष्ट कार्य निष्पत्ति का प्रदर्शन किया है। वित्तीय वर्ष 2020-21 के प्रतिवेदन के अनुसार वार्षिक विद्युत उत्पादन कुल 18857.847 मिलियन यूनिट हुआ, जिसमें 18389.511 मिलियन यूनिट विद्युत उत्पादन 69.45 प्रतिशत पीएलएफ दर्ज करते हुए ताप विद्युत गृहों का तथा 462.526 मिलियन यूनिट जल विद्युत गृहों का एवं 5.810 मिलियन यूनिट अन्य सहउत्पादन शामिल है।

वित्तीय वर्ष 2020-21 में कोरबा पश्चिम विस्तार ताप विद्युत गृह (1x500 मेगावाट) द्वारा अपने जीवनकाल में सर्वकालिक अधिकतम विद्युत उत्पादन का कीर्तिमान बनाते हुए 4065.531 मिलियन यूनिट के साथ 92.82 प्रतिशत संयंत्र उपयोगिता गुणांक दर्ज किया गया। विदित हो कि वर्ष 2018-19 में इस संयंत्र द्वारा 4009.976 मिलियन यूनिट विद्युत उत्पादन 91.55 प्रतिशत संयंत्र उपयोगिता गुणांक के साथ अधिकतम उत्पादन का कीर्तिमान बनाया गया था। इस संयंत्र ने फरवरी 2021 में सर्वकालिक सर्वाधिक मासिक संयंत्र उपयोगिता घटक 100.20 प्रतिशत दर्ज किया गया। पूर्व में माह अप्रैल 2017 में इस संयंत्र ने 100.02 प्रतिशत संयंत्र उपयोगिता गुणांक दर्ज कर कीर्तिमान अर्जित किया था।

इसी तरह डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह (2x250 मेगावाट) कोरबा पूर्व की इकाई क्रमांक-एक ने 94.38 प्रतिशत प्लांट उपलब्धता घटक एवं 87.77 प्रतिशत पीएलएफ के साथ दिनांक 14 मार्च से 01 सितम्बर 2020 तक (171 दिन 6.20 मिनट) तक निरन्तर चलने का कीर्तिमान प्राप्त किया जो कि इस इकाई की स्थापनाकाल से अब तक सर्वकालिक अधिकतम होने का कीर्तिमान है।

जनरेशन कंपनी के ताप विद्युत गृहों के अलावा जल विद्युत गृहों ने भी प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद वित्तीय वर्ष 2020-21 में 462.526 मिलियन यूनिट विद्युत उत्पादन किया, जो कि छत्तीसगढ़ राज्य गठन (नवम्बर 2000) के बाद से अब तक सर्वाधिक होने का कीर्तिमान है। विदित हो कि जनरेशन कंपनी के जल विद्युत गृहों का पिछला अधिकतम विद्युत उत्पादन का कीर्तिमान वित्तीय वर्ष 2001-02 में 403.25 मिलीयन यूनिट दर्ज हुआ था।

जल विद्युत गृहों ने माह अगस्त 2020 में 94.701 मिलियन यूनिट विद्युत उत्पाद कर सर्वकालिक अधिकतम मासिक विद्युत उत्पादन कीर्तिमान बनाया था। मिनी माता हसदेव बांगो जल विद्युत गृह (3x40 मेगावाट) माचाडोली में वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान माह अगस्त 2020 में 87.74 मिलियन यूनिट विद्युत उत्पादन कर सर्वकालिक अधिकतम मासिक विद्युत उत्पादन का कीर्तिमान बनाया गया। इस विद्युत गृह ने बीते वित्तीय वर्ष में 419.18 मिलियन यूनिट विद्युत उत्पादन कर अपने पिछले कीर्तिमान (वित्तीय वर्ष 2001-02) 403.25 मिलियन यूनिट को तोड़ते हुए राज्य गठनोपरान्त सर्वाधिक विद्युत उत्पादन का कीर्तिमान दर्ज किया।

गूगल ने एप को दिया 4.5 स्टार रेटिंग

मोर बिजली एप बिजली उपभोक्ताओं को भाया

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के उपभोक्ता हितैषी मोबाइल एप मोर बिजली एप्लीकेशन लोगों के बीच में काफी पसंद किया जा रहा है। प्रदेश के अधिकांश जिलों में कोरोना संक्रमण के दौरान लॉक डाउन की स्थिति में घर बैठे बिजली संबंधित कार्यों को निपटाने में एप अधिक कारगर साबित हुआ है।

बिजली उपभोक्ताओं में लोकप्रिय होने के साथ ही लोगों की प्रतिक्रियाओं के आधार पर गूगल ने इसे 4.5 स्टार दिया है। प्रदेश में कोरोनावायरस की दूसरी लहर के भयावह दौर में सोशल डिस्टेंसिंग को बनाए रखने के लिए इस एप को अब तक 5 लाख से अधिक उपभोक्ताओं ने डाउनलोड किया है। एप की सुविधा निःशुल्क है। एक बार मोबाइल में डाउनलोड करने के बाद उपयोगकर्ताओं को इस एप से अनेक सुविधाएं मिलती हैं। यही वजह है इस बहुपयोगी एप पर संतोष व्यक्त करते हुए बड़ी संख्या में बिजली उपभोक्ताओं ने अपनाया है।

गूगल के 4.5 स्टार रेटिंग मिलने के पीछे उपभोक्ताओं का विश्वास तथा उपयोगकर्ताओं को मिल रही सुविधाओं को समझा जा सकता है। गूगल स्टोर में दर्ज दस हजार से अधिक प्रतिक्रियाओं के आधार पर गूगल ने ये रेटिंग मोर बिजली एप को प्रदान की है। लॉक डाउन से पहले एप को 4.3 स्टार प्राप्त था। मोर बिजली एप के माध्यम से छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी के निम्न दाब उपभोक्ताओं को कई सहूलियतें प्राप्त हुई हैं। वे अब घर बैठे ही बिजली से संबंधित छोटे-बड़े कई कार्य सहजता से संपन्न कर पा रहे हैं।

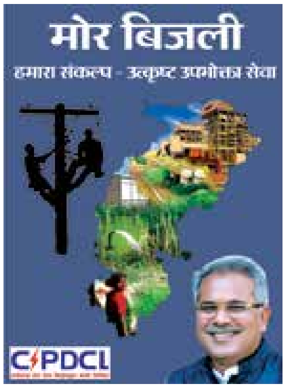

लॉकडाउन में मोर बिजली एप की उपादेयता और अधिक बढ़ गई है। इसके जरिए उपभोक्तागण बिजली बिल देखने से लेकर बिल भुगतान, नया कनेक्शन, मीटर रीडिंग भेजना, बिजली संबंधी शिकायत, बिल भुगतान विवरण, बिजली भार में बदलाव सहित 16 से अधिक बिजली विषयक सेवाएं सहजता से प्राप्त कर रहे हैं।

पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के मानव संसाधन कार्यालय में अभिनंदन कार्यक्रम

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के महाप्रबंधक (मानव संसाधन) श्री वी.के. साय के स्थानांतरण पर विदाई एवं नव पदस्थ महाप्रबंधक श्री डी.आर.साहू का स्वागत एवं अभिनंदन अधिकारियों-कर्मचारियों ने किया। इस अवसर पर नव पदोन्नत उप महाप्रबंधक श्रीमती मल्लिका बैक, विधि अधिकारी श्री सुभाष वर्मा, श्री पंचमलाल साहू को प्रबंधक सर्वश्री विकास श्रीवास्तव, संतोष साहू, श्रीमती नम्रता राठौर, अनुभाग अधिकारी श्रीमती पुष्पा ठाकुर एवं अन्य अधिकारियों-कर्मचारियों ने शुभकामनाएं एवं बधाई दी। इस अवसर पर नवपदस्थ महाप्रबंधक श्री साहू ने अधिकारियों-कर्मचारियों की समस्याओं के त्वरित निदान पर बल दिया। उन्होंने कहा की पावर कंपनी का मानव संसाधन विभाग जितना सक्रिय समर्थ ऊर्जावान रहेगा, उतना ही ज्यादा पावर कंपनी प्रबंधन भी मजबूत होगा और अधिकारियों-कर्मचारियों की कार्य क्षमता में भी वृद्धि होगी।

वरिष्ठ रसायनज्ञ श्री आडिल की भावभीनी विदाई

अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत गृह जांजगीर से मार्च माह में सेवानिवृत्त हुए वरिष्ठ रसायनज्ञ श्री वीरेंद्र कुमार आडिल को भावभीनी विदाई दी गई। उन्हें मुख्य अभियंता श्री एच एन कोसरिया ने स्मृति चिह्न व प्रशस्ति-पत्र भेंट दिया। साथ ही उनके दीर्घ एवं सुखमय जीवन के लिए शुभकामनाएं दीं।

गेंदपुर में 4.65 करोड़ से स्थापित ईएचटी ट्रांसफार्मर ऊर्जीकृत

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी द्वारा राज्य शासन की ऊर्जा नीति का परिपालन करते हुए शहरों की भांति सुदूर ग्रामीण वनांचलों की पारेषण प्रणाली को सुदृढ़ बनाने उच्चस्तरीय प्रयास किए जा रहे हैं। कम्पनी द्वारा सुनियोजित कार्य योजना के साथ-किए जा रहे कारगर प्रयासों के बूते गेंदपुर कवर्धा के अति उच्चदाब उपकेंद्र में 40 एम.व्ही.ए. क्षमता का ट्रांसफार्मर स्थापित कर ऊर्जीकृत करने में बड़ी कामयाबी मिली। 220/132/33 उपकेंद्र गेंदपुर कवर्धा में स्थापित नव क्रियाशील ई.एच.टी. ट्रांसफार्मर की लागत 4.65 करोड़ रुपए है। इस उपलब्धि के लिए पारेषण कम्पनी के प्रबंध निदेशक श्री अशोक कुमार ने टीम को बधाई दी तथा सतत् ऐसी सक्रियता को बनाये रखने का आह्वान किया।

इस ट्रांसफार्मर के ऊर्जीकृत हो जाने से थान खम्हरिया इंदौरी, खमरिया, कवर्धा बेमेतरा के क्षेत्र के रहवासियों को समुचित वोल्टेज पर विद्युत की आपूर्ति हो सकेगी। 40 एमव्हीए के भारी-भरकम ईएचटी ट्रांसफार्मर को सफलतापूर्वक ऊर्जीकृत करके कोरोना महामारी के संक्रमण काल में भी पारेषण कंपनी के अधिकारियों-कर्मचारियों ने अपनी उत्कृष्ट कार्यदक्षता को प्रदर्शित किया है।

प्रदेश की विद्युत पारेषण प्रणाली को सुदृढ़ बनाने की दिशा में आगे बढ़ते हुए चार दशक से अधिक पुराने ईएचटी उपकेन्द्रों के रखरखाव, कुशल प्रबंधन और बेहतर निगरानी को कार्यशैली में प्राथमिकता से शामिल किया गया है। इससे राज्य की पारेषण प्रणाली की उपलब्धता 99.93 प्रतिशत दर्ज हो रही है जो कि एक कीर्तिमान है। वर्तमान में अतिउच्च दाब उपकेंद्रों की संख्या 123 हो गई है, साथ ही इनसे सम्बद्ध 12869 सर्किट किलोमीटर लाईन का विस्तार किया गया है।

मड़वा में 'फ्लाई ऐश का कृषि कार्यों में उपयोगिता विषय' पर परिचर्चा

अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत गृह (एबीवीटीपीएस) मड़वा के इरेक्टर हॉस्टल कॉन्फ्रेंस हॉल में 14 मार्च 2021 को प्रगतिशील किसानों व कृषि अधिकारियों की 'फ्लाई ऐश का कृषि कार्यों में उपयोगिता' विषय पर परिचर्चा आयोजित की गई। इसमें वरिष्ठ मुख्य रसायनज्ञ आरके तिवारी, विकासखंड कृषि विकास अधिकारी एनके भारद्वाज एवं अधीक्षण अभियंता संजय तिवारी, सहित अतिरिक्त मुख्य अभियंता राजाबाबू कोसरे, प्रगतिशील किसान श्यामलाल राठौर, रामगोपाल साहू, कृषक मित्र दीनदयाल यादव व कृषक चेतना मंच से राजशेखर सिंह की सक्रिय भागीदारी रही।

परिचर्चा में वरिष्ठ मुख्य रसायनज्ञ श्री तिवारी ने कहा कि विद्युत संयंत्र से निकलने वाली सहउत्पाद फ्लाईऐश का अधिकाधिक उपयोग करने के लिए हम प्रतिबद्ध हैं। खेती-किसानी में फ्लाईऐश का उपयोग किसानों के लिए एक अच्छा अवसर साबित होगा।

कार्यक्रम में सहायक प्रबंधक (पर्यावरण) संजय झा द्वारा पावर पांइट प्रजेंटेशन के जरिए फ्लाईऐश की कृषि एवं अन्य कार्यों में उपयोगिताओं पर प्रकाश डाला गया। इसके साथ ही फ्लाईऐश का कृषि कार्यों में उपयोग पर आधारित चलचित्र किसानों को दिखाया गया। इस अवसर पर विकासखंड कृषि विकास अधिकारी एनके भारद्वाज ने पौधों के लिए जरूरी 16 पोषक तत्वों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि फ्लाईऐश धान, गेहूं की फसल के साथ सब्जियों व फूल पौधों के लिए भी बहुत उपयोगी है। श्री भारद्वाज ने बताया कि भूमि में फ्लाईऐश को मिलाने से भूमि की सरंध्रता एवं जल धारणा क्षमता बढ़ती है। इससे उपज में 10 से 40 फीसदी तक बढ़ोत्तरी दर्ज की गई है।

परिचर्चा में कृषक चेतना मंच के राजशेखर सिंह एवं सहा. प्रकाशन अधिकारी बसंत शाहजीत ने फ्लाईऐश की उपयोगिता बढ़ाने पर अपने विचार रखे। इस अवसर पर अधीक्षण अभियंता आरएल ध्रुव, क्रिस्टोफर एक्का, मुख्य रसायनज्ञ उत्तम सिंह चंद्रवंशी, कार्यपालन अभियंता सर्वश्री आरके नायक, अमिताभ शुक्ला, कृषि विकास अधिकारी एडी दीवान एवं डीएल साहू, सहायक अभियंता वंदना ठाकुर, कनिष्ठ अभियंता बलराम यादव समेत प्रगतिशील कृषकों ने हिस्सा लिया।

डोमा-पाटन उपकेन्द्र के मध्य 16 कि.मी. से अधिक नई ईएचटी लाईन ऊर्जीकृत

प्रदेश में उपलब्ध सस्ती और सुलभ बिजली का लाभ शहरों की भांति ग्रामीण अंचलों को देना राज्य शासन की प्राथमिकताओं में शामिल है। शासन की ऐसी जनहितैषी नीति का क्रियान्वयन छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी द्वारा सर्वोच्च प्राथमिकता से किया जा रहा है। इस दिशा में आगे बढ़ते हुए ट्रांसमिशन कंपनी द्वारा 220 केव्ही उपकेन्द्र डोमा-पाटन उपकेन्द्र के मध्य नवनिर्मित अतिउच्चदाब लाईन को 25 मार्च को ऊर्जीकृत किया गया। 4.5 करोड़ की लागत से निर्मित इस लाईन से ग्रामीण अंचल के रहवासियों को गुणवत्तापूर्ण बिजली की आपूर्ति हो सकेगी।

डोमा-पाटन उपकेन्द्र के मध्य नवनिर्मित 132 केव्ही सेकण्ड सर्किट लाईन की लम्बाई 16.1 किलोमीटर है। इस सेकण्ड सर्किट लाईन के ऊर्जीकृत हो जाने से विद्युत भार को दोनों फीडर पर विभाजित किया जा सकेगा। फलस्वरूप इस लाईन के माध्यम से विद्युत आपूर्ति होने वाले क्षेत्रों में लो-वोल्टेज जैसी समस्या का निदान होगा और किसी एक लाईन पर ओव्हर लोड नहीं होगा। साथ ही विद्युत व्यवधान की स्थिति में न्यूनतम समय में सुधार एवं वैकल्पिक विद्युत आपूर्ति की भी सुविधा उपलब्ध रहेगी।

उक्त नवनिर्मित 132 केव्ही सेकण्ड सर्किट लाईन को चार्ज करने के उपरांत एमडी श्री कुमार ने ट्रांसमिशन कंपनी के अधिकारियों/कर्मचारियों को इस कामयाबी के लिए बधाई दी। उन्होंने कोविड-19 से बचते हुए विकास की गति को ऐसे ही अनवरत् बनाये रखने ट्रांसमिशन कंपनी की टीम को प्रेरित किया।

डी.एस.पी.एम. ताप विद्युत गृह में सेवानिवृत्तजनों की भावभीनी विदाई

डी.एस.पी.एम. ताप विद्युत गृह, कोरबा पूर्व से सेवानिवृत्त हुए वरि. कल्याण अधिकारी श्री एस.पी.बारले सहित सर्वश्री त्रिभुवन प्रसाद, मकसूद खान, उमेंद राम, रघुवर सारथी को भावभीनी विदाई दी गई। कार्यपालक निदेशक श्री एस.के.बंजारा एवं कारखाना प्रबंधक श्री एच.के.गुप्ता, अति. मुख्य अभियंता श्रीमती स्नेहलता एक्का, श्रीमती अंजना कुजुर, श्री रजनीश जैन, श्री शैलेन्द्र शर्मा ने सेवानिवृतजनों को स्मृति चिन्ह,एवं प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया।

विदाई समारोह में ईडी श्री बंजारा ने कहा कि संयंत्र में मधुर औद्योगिक संबंध कायम रखकर उत्पादन संयंत्र को सुचारू रूप से संचालित करने में सेवानिवृतजनों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने विशेषकर वरिष्ठ कल्याण अधिकारी श्री बारले की कार्यशैली को अविस्मरणीय कहा। इस अवसर पर अति.मुख्य अभियंता श्री एच.के.गुप्ता, श्रीमती स्नेहलता एक्का, श्रीमती अंजना कुजुर, अधीक्षण अभियंता सर्वश्री ए.के.दत्ता, एस.के.कंसल, आशीष श्रीवास्तव एवं सत्येन्द्र सिंह ने मंगलकामनाओं की अभिव्यक्ति दी।

वरि. कल्याण अधिकारी श्री बारले ने अपने 30 वर्षों की सेवायात्रा के दौरान वरिष्ठ अधिकारियों, सहकर्मियों एवं कर्मचारियों से मिले सहयोग के लिये आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन श्री आर.पी.टंडन एवं संयोजन मुख्य रसायनज्ञ श्री गोर्वधन सिदार तथा अधीक्षण अभियंता पी.आर.वार्ते ने किया।

मुख्य अभियंता ने चांपा की पर्वतारोही अमिता श्रीवास का किया अभिनंदन

पर्वतारोही अमिता श्रीवास ने किलिमंजारो की चोटी फतह करने के बाद अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत गृह (एबीवीटीपीएस) मड़वा पहुंचकर मुख्य अभियंता श्री एचएन कोसरिया से भेंट की। इस अवसर पर श्री कोसरिया ने गर्मजोशी से स्वागत करते हुए अमिता को इस सफलता पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर उनकी यह सफलता छत्तीसगढ़ की युवतियों के लिए प्रेरणा साबित होगी।

मुख्य अभियंता से मुलाकात में अमिता ने अफ्रीका महाद्वीप में तंजानिया स्थित सबसे ऊंचा पर्वत माउंट किलिमंजारो पर चढ़ाई के दौरान आई मुश्किलों व अनुभवों को साझा किया। साथ ही अमिता द्वारा ही किलिमंजारो पर्वत पर ली गईं तस्वीरें मुख्य अभियंता को भेंट की गईं। इस मौके पर अतिरिक्त मुख्य अभियंता आलोक लकड़ा, अधीक्षण अभियंता रामजी सिंह, नीरज वैश्य और सहायक प्रकाशन अधिकारी बसंत शाहजीत, सहायक विधि अधिकारी रमेश उपस्थित रहे।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह में राष्ट्रीय सरंक्षा सप्ताह मनाया गया

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह, कोरबा पूर्व में कोविड-19 प्रोटोकाल का पालन करते हुये राष्ट्रीय संरक्षा सप्ताह का आयोजन श्री एस.के. बंजारा, मुख्य अभियंता (उत्पा.), अति.मुख्य अभियंता श्री रजनीश जैन एवं श्रीमती स्नेहलता एक्का, श्रीमती अंजना कुजुर की उपस्थिति में सोल्लास संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अभियंता, श्री बंजारा ने कहा कि सुरक्षा नियमों का पालन करते हुये शून्य दुघर्टना हमारा लक्ष्य है। इसकी प्राप्ति हेतु कार्य प्रारंभ करते समय सुरक्षा के सभी पहलुओं को जांच लें, तत्पश्चात् सुरक्षा उपकरण धारण करें, फिर काम प्रारंभ करें। कार्य समाप्ति के बाद विधिवत् हाउसकीपिंग करें जिससे कि दुर्घटनाओं से बचा जा सकता है। श्री रजनीश जैन ने कहा कि सुरक्षा नियमों के पालन करते हुये अपने कार्यों का निर्वहन करना चाहिए। अति.मुख्य अभियंता श्रीमती अंजना कुजुर एवं श्रीमती स्नेहलता एक्का ने सुरक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुये सुरक्षा नियमों के पालन करने हेतु अपील किया।

संरक्षा सप्ताह के दौरान कर्मियों में जागरुकता उत्पन्न करने के लिये निबंध, नारा, कविता एवं चित्र प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विभिन्न प्रतियोगिताओं के लिए नीलम शर्मा, सीमा राठौर, ललीता खलखो, अशोक सुखतेल, अंजली ठाकुर, आयुषी, सारिका चन्द्राकर, रानू जंघेल, हेतराम साहू, मेनका प्रेरणा साई, राजेश राठौर, अंजली बेबी, योगेश्वरी कंवर, मो.महबूब, गंगाराम ध्रुव, आरती तिवारी, मिनीक्षी भारद्वाज, अभिषेक बंछोर, उमा पाण्डे, शांति ध्रुर्वे, बबली चैधरी, राजेश्वरी तोण्डे, निशा कंवर, संजय, घनश्याम साहू, ठेका वर्ग में- मुकेश राज, प्रीति पटेल, सुरेन्द्र साहू, जय राज सिंह, हरीश चन्द्रा, विपेन्द्र कु.साहू, वर्षा कंवर, बसंत सिंह, राजकुमार, गौरीशंकर पटेल, रामलाल अहिरवाल, रामधन राठौर, बीनू कंवर, विजय कुमार राठौर, रवि कुमार साहू, हरधन राय, मुकेश कुमार कश्यप, विरेन्द्र राठौर, जयंती चौहान, आशीष कुमार, भारती भारद्वाज, रूपेश कुमार बर्मन, आदंन कुमार, महेन्द्र कु. यादव, राधिका साहू को पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया।

कार्यक्रम का आभार प्रदर्शन श्री आर.पी.टंडन, अधीक्षण अभियंता (संरक्षा) प्रश्नमंच एवं कार्यक्रम का संचालन सुमन सोमानी द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में वरि.कल्याण अधिकरी, श्री एस.पी.बारले, मुख्य संरक्षा अधिकारी श्री अनिल कुमार नामदेव, श्री जितेन्द्र सिंह का सहयोग सराहनीय रहा।

किसान के मितान कैपेसिटर

कृषि जगत में ऊर्जीकृत सिंचाई पम्पों से हरित क्रांति हर ओर दिखाई दे रही है। छत्तीसगढ़ में किसान वर्ष में एक ही फसल लेते थे किन्तु बिजली और बिजली चलित कृषि पम्पों की सहज और सस्ती उपलब्धता का सुपरिणाम है कि आज छत्तीसगढ़ के अधिकांश क्षेत्रों में बहुफसल लेने की सफल शुरूआत हो गई है। किसानों के लिए जितना महत्व कृषि पम्पों का है उतना ही महत्व कृषि पम्पों में केपेसिटर का होना है। उक्त बातें दुर्ग क्षेत्र के कार्यपालक निदेशक श्री संजय पटेल ने किसानों के लिए प्रेषित करते हुए बिजली की बर्बादी रोकने के साथ-साथ वोल्टेज को नियंत्रित करने के लिए किसानों को सिंचाई विद्युत कनेक्शन में उचित क्षमता का कैपेसिटर लगाने प्रेरित किया।

>> क्या है कैपेसिटर

कैपेसिटर एक तरह का इलेक्ट्रानिक उपकरण है, जिसकी मदद से लो-वोल्टेज को नियंत्रित किया जा सकता है। कैपेसिटर के माध्यम से तीनों फेस में समुचित वोल्टेज उपलब्ध होता है जिससे मोटर जलने की समस्या नहीं होती है।

>> कैपेसिटर क्यों जरुरी है

कैपेसिटर लगे होने से पंप को वोल्टेज सही मिलेगा एवं पंप से पानी भी उपलब्धतानुसार सही मात्रा में निकलेगा। यह मुख्य लाइन से आने वाली बिजली को सभी सिंचाई पंपों में बराबर बांटता है, जिससे बिजली उपकरणों को भी लंबे समय तक सुरक्षित रखा जा सकता है। बार-बार बिजली बंद की समस्या नहीं होती है। कैपेसिटर हमेशा गुणवत्तापूर्ण ही उपयोग करना फायदेमंद होगा।

ज्ञात हो कि अवर्षा की स्थिति में सभी सिंचाई पंप एक साथ चलने की दशा में मोटर का जलना, बार-बार लाइन बंद होना, कम वोल्टेज मिलना, ट्रांसफार्मर का खराब हो जाना, केबल इत्यादि का खराब हो जाना एवं 11 के.व्ही. या निम्नदाब लाइनों के तार टूटना इत्यादि की समस्याएं होती हैं। इसलिए किसानों को ध्यान रखना चाहिए कि आटो स्विच न लगाएं, सही क्षमता का कैपेसिटर अनिवार्य रूप से लगायें जिससे मोटर नहीं जलेगा और वोल्टेज भी सही मिलेगा। केबल सही क्षमता का उपयोग करें। वैधानिक कनेक्शन लेकर ही विद्युत का उपयोग करें। अपने मोटर एवं कैपेसिटर की अर्थिंग अनिवार्य रूप से करें।

विद्युत कंपनी में तनाव प्रबंधन पर दो दिवसीय कार्यशाला संपन्न

वरिष्ठ अधिकारियों ने तनाव एवं समय प्रबंधन के सीखे गुर

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी में वरिष्ठ अधिकारियों के लिए तनाव प्रबंधन पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन रायपुर में किया गया। कार्यशाला के दौरान अधिकारियों ने कार्यस्थल पर टीम से बेहतर परिणाम प्राप्त करने के लिए समय प्रबंधन के बारे में समझा। इस दौरान कार्य को तनावमुक्त ढंग से संपन्न करने कई सरल और रोचक उपायों पर भी चर्चा की। पॉवर कंपनी मुख्यालय में 22 और 24 मार्च को आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला में कंपनी के मुख्य अभियंताओं तथा अतिरिक्त महाप्रबंधकों ने हिस्सा लिया।

तनाव एवं समय प्रबंधन पर प्रशिक्षक श्री आदेश सोनी ने कंपनियों के कामकाज तथा समूह के लक्ष्य आधारित कार्य में प्रबंधन के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि टीम के कप्तान का लक्ष्य प्राप्ति के लिए तनाव मुक्त होना बहुत आवश्यक है और उससे बचने के लिए कई आसान तरीके अपनाए जा सकते हैं। उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों से उनके अनुभवों पर आधारित कई घटनाओं के आधार पर तनाव प्रबंधन के उपाय भी साझा किए। श्री सोनी ने बताया कि लोग समय का प्रबंधन करने की बजाए स्वयं को अनुशासित तथा संतुलित रखेंगे तो समय का प्रबंधन अपने आप हो जाएगा। उन्होंने नकारात्मकता, संकोच और अतिचिंता के स्वभाव को विकास में बाधक बताया। अधिकारियों ने अपने दीर्घ अनुभवों के साथ ही नित नए प्रयोगों और प्रशिक्षण को लाभप्रद बताया।

प्रशिक्षण में मुख्य अभियंता (प्रभारी) श्रीमती शारदा सोनवानी, अतिरिक्त मुख्य अभियंता सर्वश्री के.के.भौरासे, एन.डब्यू हेनरी, आर.अरविंद, पी.पाण्डे, संदीप गुप्ता, एच.के.श्रीधर, राकेश डहरवाल, आर.सी. अग्रवाल, श्रीमती सरोज तिवारी समेत अन्य अधिकारियों ने हिस्सा लिया। कार्यशाला का समन्वय तथा संचालन प्रबंधक (मानव संसाधन) श्री विकास श्रीवास्तव ने किया।

पॉवर कंपनी के स्काडा सेंटर में महिला सम्मान समारोह सम्पन्न

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी के गुढ़ियारी स्थित स्काडा-डीएमएस कंट्रोल सेंटर एवं एमआर सेल में अन्तराष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित महिला सम्मान समारोह में मुख्य अभियंता श्री आर.ए. पाठक ने महिला कर्मियों का सम्मान किया गया। समारोह में उपस्थित महिला कर्मियों को पौधा देकर सम्मानित किया और विद्युत क्षेत्र में महिला अभियंताओं-अधिकारियों-कर्मचारियों के कार्यो को महत्वपूर्ण बताया। साथ ही प्रदेश की विद्युत प्रणाली के कुशल संचालन में महिलाओं की भागीदारी को उनके बढ़ते कदम का पुख्ता प्रमाण निरूपित किया।

स्काडा सेंटर के कार्यपालन अभियंता श्री एन. बिम्बीसार ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए बताया कि विद्युत वितरण प्रणाली का संचालन अत्याधुनिक रिमोट सिस्टम से तथा 15 एचपी के ऊपर से निम्नदाब-उच्चदाब उपभोक्ताओं से सम्बद्ध ऑटोमेटिक मीटर रिडिंग का संचालन स्काडा कंट्रोल सेंटर एमआर सेल में मुख्यतः महिला अभियंताओं के द्वारा सम्पादित किये जा रहे हैं। यह महिला सशक्तीकरण का एक जीता जागता उदाहरण है। अन्तरराष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित सम्मान समारोह में कनिष्ठ अभियंता सुश्री गुंजा ने महिलाओं पर केन्द्रित स्वरचित रचना का पाठ किया।

सम्मान समारोह में सर्वश्री ए.के.गोपेवार, श्री सुधीर कुमार श्रीवास्तव, सुरेश श्रीवास, भोला राम साहू, प्रमोद कुमार अभिषेक सिंह, संजीव घोष समेत बड़ी संख्या में महिला अधिकारी-कर्मचारी भी उपस्थित थे।

सम्मानित हुईं ये महिलाएं

सर्वश्रीमती सुनीता साहू, सुरुचि कौशल दिवान, एलीस मैरी केरकेटा, शारदा देवांगन, तृप्ति पण्डित, पूजा सिंह, रिति पाण्डे, गुंजा गुप्ता, प्रियंका तिवारी, ज्योति खरे, पिंकी कोड़ एवं प्रज्ञा घरडे।

खैरझिटी उपकेंद्र में 3.15 एम.व्ही.ए. का अतिरिक्त पॉवर ट्रांसफार्मर का परीक्षण

विद्युत कंपनी ग्रामीण क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण बिजली प्रदाय करने के उद्देश्य से तत्परता से कार्य कर रही है। उपभोक्ताओं एवं किसानों को पर्याप्त वोल्टेज के साथ सतत् विद्युत सप्लाई देने हेतु छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड द्वारा दुर्ग जिले के धमधा ब्लॉक में स्थित 33/11 के.व्ही. विद्युत उपकेंद्र (सबस्टेशन) खैरझिटी में 3.15 एम.व्ही.ए. का एक अतिरिक्त पॉवर ट्रांसफार्मर टेस्ट चार्ज किया गया है, जिससे उपकेंद्र के अंतर्गत आने वाले लगभग एक दर्जन गांवों के उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण विद्युत सुविधा मिलेगी। साथ ही यहां के किसानों को लो-वोल्टेज की समस्या से भी निजात मिलेगी।

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रब्यूशन कंपनी लिमिटेड, दुर्ग क्षेत्र के कार्यपालक निदेशक श्री संजय पटेल ने बताया कि उक्त कार्य मुख्यमंत्री ऊर्जा प्रवाह योजना के अंतर्गत किया गया है। श्री पटेल ने इसे ग्रामीण क्षेत्रों में सतत विद्युत आपूर्ति के लिए उपलब्धि बताते हुए कहा कि 33/11 के.व्ही. सबस्टेशन खैरझिटी में अतिरिक्त पॉवर ट्रांसफार्मर के लग जाने से ग्राम खैरझिटी, भाठा कोकड़ी, रौंदा, परसकोल, बिरेभाटा, डीपारा, इरेतरा, धूमा, घोटवानी सहित लगभग 12 गांवों के उपभोक्ता लाभान्वित होंगे। कार्यपालक निदेशक श्री पटेल ने उच्चदाब एवं निम्नदाब के समस्त बकायादार उपभोक्ताओं से अपील करते हुए कहा है कि बिजली बिल का भुगतान अविलंब करें। इससे विभाग की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी और विद्युत विकास के कार्यों को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी।

पर्वतारोही अमिता श्रीवास को विद्युत संयंत्र की ओर से दी गई 2.70 लाख की आर्थिक मदद

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी द्वारा संचालित अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत संयंत्र (एबीवीटीपीएस) मड़वा ने सी.एस.आर. मद से चांपा की पर्वतारोही अमिता श्रीवास को दो लाख 70 हजार 795 रुपए की आर्थिक सहायता की। 22 फरवरी 2021 को जिला कलेक्टर श्री यशवंत कुमार एवं मुख्य अभियंता एचएन कोसरिया के हाथों पर्वतारोही अमिता को सहयोग राशि प्रदान की गई। इस मौके पर अतिरिक्त मुख्य अभियंता रजनीश जांगड़े, अधीक्षण अभियंता नीरज वैश्य, जिला सांख्यिकी अधिकारी पायल पांडेय और सहायक प्रकाशन अधिकारी बसंत शाहजीत उपस्थित रहे।

मड़वा प्रोजेक्ट से सेवानिवृतजनों की भावभीनी विदाई

अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत गृह जांजगीर से फरवरी माह में सेवानिवृत हुए संयंत्र सहायक श्रेणी-एक श्री द्वारिका प्रसाद सोनी एवं श्री ज्ञानचंद पटेल को भावभीनी विदाई दी गई। कोरोना वायरस संक्रमण की मुश्किल घड़ी में सोशल डिस्टेंसिंग का ध्यान रखते हुए मुख्य अभियंता श्री एचएन कोसरिया द्वारा उन्हें स्मृति चिह्न व प्रशस्ति प्रमाण-पत्र भेंट किया गया।

साथ ही सेवानिवृतजनों की दीर्घ एवं समर्पित सेवाकाल को पॉवर कंपनी के हित में उन्होंने बताया और उनके उज्ज्वल व सुखमय जीवन के लिए शुभकामनाएं दी।

श्री राजकुमार पाटकर

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर जनरेशन कंपनी कोरबा वेस्ट में कार्यरत श्री राजकुमार पाटकर सुरक्षा सैनिक को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय पावर लिफ्टिंग खेल में पदक प्राप्त करने पर छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस स्पोर्ट सेल द्वारा कांग्रेस स्पोर्ट टेलेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। बधाई...

शिवरीनारायण ईएचटी सबस्टेशन में 40 एम.व्ही.ए. का ट्रांसफार्मर ऊर्जीकृत

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी द्वारा प्रदेश की पारेषण प्रणाली को सुदृढ़ बनाने हेतु युद्धस्तर पर कार्य पूर्ण किये जा रहे हैं। इस दिशा में आगे बढ़ते हुए कंपनी द्वारा 132/33 के.व्ही. उपकेन्द्र शिवरीनारायण में 40 एम.व्ही.ए. क्षमता के विशालकाय ट्रांसफार्मर को ऊर्जीकृत किया गया। होलिकोत्सव की पूर्व संध्या पारेषण कंपनी के प्रगतिपटल पर दर्ज इस बड़ी कामयाबी के लिए एम.डी. श्री अशोक कुमार ने पारेषण कंपनी की टीम को बधाई दी।

उन्होंने बताया कि ई.सी.ई. निर्मित 40 एम.व्ही.ए. का ट्रांसफार्मर शिवरीनारायण ईएचटी सबस्टेशन की सेकेण्ड यूनिट है। इसकी स्थापना एवं ऊर्जीकृत संबंधी कार्य की पूर्णता कोरोना संक्रमणकाल में एक चुनौती भरा कार्य था। इसके ऊजीकृत हो जाने से छत्तीसगढ़ की धार्मिक नगरी शिवरीनारायण (पामगढ़) सहित आसपास के गांव में निवासरत रहवासियों सहित कृषकजनों को गुणवत्तापूर्ण बिजली की आपूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी।

राज्य शासन की नीति "क्वालिटी पॉवर सप्लाई फॉर आल" को लक्ष्य बनाये हुए ट्रांसमिशन कंपनी द्वारा प्रदेश के समस्याग्रस्त क्षेत्रों को चिन्हित कर वहां प्राथमिकता से ईएचटी लाईन एवं सबस्टेशन का निर्माण कार्य किया जा रहा है। साथ ही पुराने उपकेन्द्रों में नये पॉवर ट्रांसफार्मर की स्थापना के कार्य भी हाथ में लिये गये हैं। ऐसी ही योजना के अन्तर्गत 132/33 केव्ही उपकेन्द्र शिवरीनारायण (पामगढ़) में 4.5 करोड़ की लागत से उक्त नवऊजीकृत 40 एम.व्ही.ए. के ट्रांसफार्मर को स्थापित किया गया।

संक्रमितों की मदद को सामने आए बिजली इंजीनियर

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड, दुर्ग क्षेत्र के इंजीनियरों द्वारा कार्यपालक निदेशक श्री संजय पटेल के मार्गदर्शन में कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेन्द्र भूरे जीवनदीप समिति, जिला चिकित्सालय, दुर्ग हेतु आमजनों को कारोना के इलाज एवं ऑक्सीजन सुविधा उपलब्ध कराने के लिये एक लाख रुपए सहयोग राशि दिया गया। उक्त सहयोग राशि एस.डी.एम. दुर्ग श्री खोमन लाल वर्मा के साथ कंपनी के इंजीनियरों ने जिला चिकित्सालय, दुर्ग के सिविल सर्जन डॉ. बाल किशोर को सौंपा। कोविड 19 महामारी से पीड़ित मरीजों के इलाज हेतु इंजीनियरों ने दुर्ग में संचालित महावीर कोविड सेंटर में दो नग ऑक्सीजन कंसट्रेटर एवं आठ नग अतिरिक्त बेड, पांच नग ऑक्सीजन सिलिंडर की भी सहायता दी।

कार्यपालक निदेशक इंजीनियर श्री संजय पटेल ने कहा कि बिजली कर्मी नागरिकों के लिए चौबीस घंटे निरंतर विद्युत व्यवस्था सुचारु रुप से बनाये रखने के लिए कार्यरत है। उन्होंने कहा कि अपने कार्य के दौरान हमारे बहुत से साथी अधिकारी एवं कर्मचारी संक्रमित हो गए हैं, जिनमें से कुछ साथी कोरोना से जंग हार गए। बिजली कंपनी के इंजीनियरों ने कोविड सेंटर के अध्यक्ष एवं डॉ डी.सी. जैन को उक्त सामान व राशि सौंपी जिससे की कोरोना के इलाज में जरूरतमंद मरीजों की ऑक्सीजन तथा दवाई इत्यादि से संबंधित आवश्यकता को पूर्ण किया जा सके।

कोरोना के इलाज में जरूरतमंद मरीजों की ऑक्सीजन तथा दवाई इत्यादि से संबंधित आवश्यकता को पूर्ण करने हेतु एक छोटा सा प्रयास है। इस कार्य के लिये कार्यपालक निदेशक श्री के. नारनौरे, मुख्य अभियंता श्री व्ही.के.गुप्ता, अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री एच के मेश्राम, अधीक्षण अभियंता श्री ए.के.गौराहा एवं श्री एस.आर. बांघे, कार्यपालन अभियंता श्री राजेश श्रीवास्तव, श्री आर.के. चन्द्रकार, श्री डी.के. भारती, श्री सतीश वर्मा, श्री आर.एन.वर्मा, श्री ए.के.बिजौरा, श्री व्ही.के.डहरिया, श्री नवीन राठी, सहायक अभियंता श्री एस.के. बडगैया, श्री अविनाश दुबे, श्री एम.के. साहू, श्री पी.के. पलसोकर, श्री पी.एल.माहेश्वरी, श्री महेश्वर टंडन, श्री नवीन साहू, श्री अजय गुप्ता, श्री मनीष अग्रवाल, श्री के. सुरेश कुमार, श्री जी.एस.फ्लोरा, श्री राजेन्द्र गिरी गोस्वामी, श्री मो. जलालुद्दीन, श्री जे.एस. भट्नागर, श्री ए.के. बैनर्जी, श्री राजेन्द्र, श्री पी.के. अग्रवाल, श्री रवि रंजन कुमार, श्रीमती सीमा ढील, श्रीमती अरूणा राव, श्री डी.के.गजपाल, श्री पी.वी. राजेश, श्री प्रकाश वर्मा, श्री जी.पी. शिवारे, कनिष्ठ अभियंता श्री निरंजन दास आदि अभियंताओं का विशेष आर्थिक सहयोग रहा।

मुख्य अभियंता श्री धरम साय भगत, अंबिकापुर क्षेत्र

"बेटा गणित पढ़ोगे तो फटफटी में बैठोगे" पिताश्री की इन पंक्तियों को अपने जीवन में आगे बढ़ने का प्रबल आधार मानते हैं छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के अंबिकापुर क्षेत्र में पदस्थ मुख्य अभियंता श्री धरमसाय भगत।

सघन वनांचल और ग्रामीण माहौल में 13 मार्च 1963 को बनगांव (बी) में जन्मे श्री भगत को अपनी माता स्वर्गीया चिट्ठा बाई तथा पिता स्व. जगना राम से जीवन यात्रा में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिली। अपनी जीवनयात्रा में मिली सफलता के लिए उक्त लाईन को मूल मंत्र बताते हुए वे कहते हैं कि गांव में एक 'ओवरसियर' फटफटी में बैठ कर दौरा करते थे। उस जमाने में यह बड़ी बात थी। तब पिताजी ने कहा था कि गणित लेकर पढ़ाई करोगे तो फटफटी में बैठोगे।

प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षा पूर्ण करने के उपरान्त हाईस्कूल में प्रवेश लेते समय गणित विषय चयन कर वर्ष 1983 में पत्थलगांव में हायर सेकण्डरी की परीक्षा तथा वर्ष 1990 में माधव इंस्टीटयूट ऑफ टेक्नालॉजी (एम.आई.टी.एस.) ग्वालियर से बी.ई.(इलेक्ट्रिकल) की उपाधि प्राप्त की। शिक्षा पूर्ण करने के उपरान्त 1992 में ग्रेजुएट ट्रेनी के पद से अपनी सेवायात्रा जबलपुर से आपने आरंभ की। आगे 1994 में सहायक अभियंता के पद पर आपकी पदस्थापना बेमेतरा में हुई। आगे सेवायात्रा में आगे बढ़ते हुए 2005 में कार्यपालन अभियंता, 2010 में अधीक्षण अभियंता, 2013 में अतिरिक्त मुख्य अभियंता के पद पर आपको पदोन्नति प्राप्त हुई। इन पदों पर आपने मनेन्द्रगढ़, रायपुर में अपनी सेवाएं दीं। आपकी सेवाओं का प्रतिफल समय-समय पर आपको मिलता रहा और वर्ष 2016 में आपको मुख्य अभियंता के पद पर पदोन्नति प्राप्त हुई। इस पद पर आपकी पदस्थापना मुख्य अभियंता (वाणिज्य) के पद पर कंपनी मुख्यालय रायपुर में हुई।

वर्तमान में अंबिकापुर क्षेत्र में मुख्य अभियंता के पद पर सेवाएं देते हुए आपका लक्ष्य है लगातार परिश्रम के साथ अपने क्षेत्र का विकास करना और युवाओं को शिक्षा के बदौलत उच्च पद तक पहुंचने के लिए प्रेरित करना है।

तन-मन-धन से समाज सेवा है मानव धर्म

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत होल्डिंग कंपनी औषधालय से अतिरिक्त मुख्य चिकित्साधिकारी के पद से फरवरी 2021 में सेवानिवृत्ति हुए डॉ कुलदीप सिंह छाबड़ा ने विदाई समारोह में कहा कि मोमेंटो देने की बजाए उसके समतुल्य राशि को सेवा निवृत्त व्यक्ति के माध्यम से समाज सेवा में लगाने का निर्णय हर दृष्टि से उत्कृष्ट होगा। उनके इस अनुकरणीय निर्णय के अनुपालन में डंगनिया औषधालय के चिकित्सकों, सहकर्मियों सहित मानव संसाधन विभाग की ओर से मोमेंटों की बजाए उन्हें समतुल्य राशि दी गई।

डॉ छाबड़ा ने इस राशि को चरामेति फाउंडेशन के श्री राजेन्द्र ओझा को सौंपा, जो कि विद्युत वितरण कंपनी के अनुभाग अधिकारी के पद से सेवानिवृत्त हुए हैं। चरामेति फाउंडेशन मरीजों के परिजनों को निःशुल्क भोजन उपलब्ध करने का काम अनेक वर्षों से कर रही है। विदित हो कि सेवा निवृत्ति के पश्चात् डॉ छाबड़ा महावीर नगर स्थित गुरूद्वारा में संचालित चैरिटी अस्पताल में निःशुल्क रूप से अपनी सेवाएं प्रदान कर रहें हैं। पॉवर कंपनी में ही सेवारत रहीं अपनी जीवन साथी स्व. डॉ गुरमीत कौर सहित अपने माता-पिता एवं अन्य परिजनों की पुण्य स्मृति में भोजन,वस्त्र आदि जरूरतमंदों को दान करने के साथ ही साथ कुपोषण मुक्ति अभियान में मुक्त हस्त से सहयोग देते आ रहे हैं।

ददा, भईया, दाई, बहिनी
सुनो खोल के कान

बेटी पढ़ही त बढ़ही
गांव-घर के सान

दुर्ग क्षेत्र के आठ संभागों की समीक्षा बैठक

राजस्व वसूली की संभागवार समीक्षा सहित विभिन्न श्रेणी के बकायादारों के विरुद्ध कार्यवाही, बिजली चोरी पर नियंत्रण एवं विद्युत चोरी दुरुपयोग में लिप्त उपभोक्ताओं पर नियमानुसार त्वरित कार्यवाही करने पर केन्द्रित बैठक का आयोजन दुर्ग क्षेत्र में किया गया। बैठक में कार्यपालक निदेशक श्री संजय पटेल ने दुर्ग क्षेत्र के शहर वृत्त एवं वृत्त के अधीक्षण अभियंताओं तथा सभी आठ संभागों के कार्यपालन अभियंताओं, सहायक अभियंताओं एवं कनिष्ठ अभियंताओं की बैठक ले कर राजस्व वसूली के सबंध में संभाग वार समीक्षा की एवं सभी श्रेणी के बकायादारों के खिलाफ कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

विच्छेदित लाईन को डिफाल्टर उपभोक्ताओं द्वारा पुनः जोड़ने के प्रकरण पर विशेष ध्यान केन्द्रित करने पर बल दिया। डिफाल्टर उपभोक्ताओं को चिन्हित कर उनके परिसर की आकस्मिक जांच और कनेक्शन काटने की कार्यवाही मैदानी अधिकारियों द्वारा निरंतर किया जाना कंपनी हित में उचित होगा।

उन्होंने बैठक में उपस्थित अभियंताओं को "हाफ रेट बिजली बिल" योजना का फायदा उठाने उपभोक्ताओं को यथासमय बिल भुगतान करने, बकाया राशि का भुगतान करने तथा "मोर बिजली एप" एवं अन्य ऑनलाइन माध्यमों से भी घर बैठे विद्युत देयकों का भुगतान करने के संबंध में जागरुक बनाने जोर दिया। बैठक में अधीक्षण अभियंता श्री एस.आर.बांधे, श्री ए.के.गौराहा एवं श्री एच.के.मेश्राम सहित सभी संभागों के कार्यपालन अभियंता, सहायक अभियंता एवं कनिष्ठ अभियंता उपस्थित हुए।

एबीवीटीपीएस अस्तपाल में मुख्य अभियंता के हाथों कोविड-19 टीकाकरण केंद्र का शुभारंभ

अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत गृह (एबीवीटीपीएस) के विभागीय अस्पताल में जिला कलेक्टर श्री यशवंत कुमार के निर्देश पर कोविड-19 टीकाकरण केंद्र शुरू किया गया है। टीकाकरण केंद्र का औपचारिक शुभारंभ मुख्य अभियंता श्री एचएन कोसरिया के हाथों किया गया। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य अभियंता सर्वश्री राजाबाबू कोसरे, आलोक लकड़ा, रामजी सिंह एवं वरिष्ठ मुख्य रसायनज्ञ श्री आरके तिवारी एवं चिकित्साधिकारी डॉ. आरके साहू, डॉ. श्रीमती इंदु साहू, जिला प्रशासन से टीकाकरण अधिकारी डॉ. पुष्पेंद्र लहरे एवं डॉ. अमित मिरी उपस्थित रहे।

मुख्य अभियंता श्री कोसरिया ने आग्रह किया कि प्राथमिकता के साथ टीकाकरण कराकर महामारी कोविड-19 के खिलाफ इस मुहिम में अपना योगदान दें। टीकाकरण के पहले दिन एक अप्रैल को पहला टीका मड़वा के ग्रामीण दुकालूराम को लगाया गया। पहले चरण में 45 वर्ष से अधिक उम्र के व्यक्तियों का टीकाकरण जारी रहा। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लच्छनपुर, मड़वा, बसंतपुर, तेंदूभाठा समेत आसपास के ग्रामीणजनों ने बढ़-चढ़ कर भागीदारी दी। टीकाकरण केंद्र में स्टाफ नर्स शोभा बंजारे, जीवंती, संजू श्रीवास, सोमदत्त पटेल और प्राथमिक अस्पताल मड़वा से आरएचओ मुकेश पहारे एवं श्रीमती शशिकला महिलांगे सक्रियता से सेवाएं देने में जुटे।

एबीवीटीपीएस मड़वा में राष्ट्रीय संरक्षा सप्ताह मनाया गया

अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत गृह (एबीवीटीपीएस) मड़वा में 04 से 10 मार्च तक राष्ट्रीय संरक्षा सप्ताह मनाया गया। इस दौरान मुख्य अभियंता श्री एचएन कोसरिया ने कहा कि संरक्षा सप्ताह विद्युत संयंत्र के सभी अधिकारियों, कर्मचारियों एवं श्रमिकों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। संरक्षा उपकरणों का सही इस्तेमाल जानना अति आवश्यक है। संरक्षा उपकरणों का हमेशा इस्तेमाल करें। साथ ही नॉलेज शेयरिंग करें ताकि संभावित दुर्घटनाओं को कम किया जा सके। उन्होंने उपस्थितजनों को संरक्षा उपायों को अपनाने की शपथ दिलाया।

शुभारंभ समारोह में मुख्य अभियंता श्री कोसरिया सहित अतिरिक्त मुख्य अभियंता सर्वश्री राजाबाबू कोसरे, आलोक लकड़ा और आर के तिवारी का स्वागत संरक्षा बैच लगाकर किया गया। अधीक्षण अभियंता (संरक्षा) आरएल ध्रुव द्वारा स्वागत उद्बोधन देते हुए संरक्षा के नियमों पर प्रकाश डाला गया। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद द्वारा वर्ष 2021 के लिए संरक्षा थीम- 'आपदा से सीखें और सुरक्षित भविष्य की तैयारी करें' रखी गई है। कार्यक्रम को अतिरिक्त मुख्य अभियंता आलोक लकड़ा एवं राजाबाबू कोसरे ने भी संबोधित किया। मेसर्स लेदर टेक कोरबा द्वारा संरक्षा उपकरणों की प्रदर्शनी लगाई गई। संरक्षा सप्ताह के कार्यक्रम का संयोजन अधीक्षण अभियंता श्री आरएल ध्रुव, संचालन संरक्षा अधिकारी श्री नरेंद्र देवांगन एवं आभार प्रदर्शन अधीक्षण अभियंता श्री क्रिस्टोफर एक्का द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में अधीक्षण अभियंता सर्वश्री रामजी सिंह, नीरज वैश्य, आरजी देवांगन, चिकित्सा अधिकारी डॉ. आरके साहू, मुख्य अग्निशमन अधिकारी एम के रायकवार, प्रकाशन अधिकारी बसंत शाहजीत, कल्याण अधिकारी आरएस टेकाम, सुरक्षा अधिकारी डी. तिर्की, संरक्षा अधिकारी विजय कुमार बर्मन समेत बड़ी संख्या में विभिन्न वृत्तों के अधीक्षण अभियंता, कार्यपालन अभियंता एवं अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी विद्युत गृह

ताप एवं जल विद्युत गृहों की उत्कृष्ट कार्य निष्पत्ति की बदौलत छत्तीसगढ़ पावर जनरेशन कंपनी के विद्युत गृहों को देश भर के स्टेट सेक्टर के विद्युत गृहों की तुलना में सर्वोच्च स्थान पर होने का गौरव प्राप्त हुआ। कंपनी के विद्युत गृहों ने 70.08 प्रतिशत पीएलए का प्रदर्शन किया जबकि स्टेट सेक्टर के विद्युत गृहों का औसत पीएलए 42.12 प्रतिशत ही रहा। इसी तरह राष्ट्रीय ताप विद्युत गृहों का औसत पीएलए 51.49 प्रतिशत रहा। भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय के अधीन केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण नई दिल्ली के प्रतिवेदन (दिसम्बर 2020) में दर्ज उक्त उपलब्धियों से छत्तीसगढ़ को जहां राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित होने का ऐतिहासिक अवसर प्राप्त हुआ वहीं पॉवर कंपनीज के अधिकारियों/कर्मचारियों की टीम का मनोबल भी ऊंचा हुआ है।

गारे पेल्मा सेक्टर-तीन से कोयले की आपूर्ति

कोयला मंत्रालय भारत सरकार द्वारा रायगढ़ जिले में स्थित गारे पेल्मा सेक्टर तीन कोल ब्लॉक जनरेशन कंपनी को आबंटित किया। इस कोयला खंड से कोयला उत्खनन का कार्य 6 दिसम्बर 2019 से आरंभ किया गया। इससे कंपनी के अटल बिहारी बाजपेयी ताप विद्युत गृह जांजगीर चांपा में कोयले की आपूर्ति 24 मार्च 2020 से की जा रही है। बीते वित्तीय वर्ष 2020-21 में लगभग 16.60 लाख मिट्रिक टन कोयले की आपूर्ति की जा चुकी है।

कोरबा पश्चिम में सुरक्षा उप निरीक्षकों का पद अलंकरण

हसदेव ताप विद्युत गृह कोरबा पश्चिम में पदस्थ श्री राजेश कुमार चौधरी एवं श्री मुन्ना लाल चौधरी के पदोन्नत होने पर उनका सुरक्षा उप निरीक्षक के पद पर अलंकरण किया गया। कार्यपालक निदेशक श्री आर के श्रीवास के हाथों दोनों ही पदोन्नत सुरक्षा अधिकारियों के कंधों पर सितारा लगाकर पद अलंकरण किया गया। श्री श्रीवास ने उन्हें पदोन्नति पर बधाई एवं नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर अधीक्षण अभियंता सर्वश्री राजेश पांडेय व आर के नायर और सुरक्षा अधिकारी श्री आरके चौरे उपस्थित रहे।

शून्य दुर्घटना ही हमारा लक्ष्य है : श्री श्रीवास

हसदेव ताप विद्युत गृह में राष्ट्रीय संरक्षा सप्ताह में शून्य दुर्घटना के लक्ष्य को व्यक्त करते हुए मुख्य अभियंता श्री आरके श्रीवास ने सरंक्षा उपकरणों का इस्तेमाल कर किसी भी दुर्घटना को टालने और शून्य दुर्घटना के लक्ष्य को अर्जित करने का आह्वान किया। उन्होंने पिछली गलतियों से सीखें और गलतियां नहीं दोहराएं। उन्होंने अधिकारियों/कर्मचारियों को संरक्षा के प्रति जागरुकता की शपथ दिलाई। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य अभियंता सर्वश्री संदीप श्रीवास्तव, पंकज कोले एवं राजू लहरी ने भी विचार व्यक्त किये।

अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री श्रीवास्तव ने कहा कि संपूर्ण सुरक्षा के लिए अधिकारियों एवं कर्मचारियों का सामूहिक प्रयास जरूरी है। अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री कोले ने कहा कि सभी को सरंक्षा के प्रति अधिक सजगता व जिम्मेदारी से कार्य करने की आवश्यकता है। संरक्षा सप्ताह में हुई विविध स्पर्धाओं में विजयी प्रतिभागियों को मुख्य अभियंता ने पुरस्कृत किया। पुरस्कृत होने वालों में भगवती बंजारा, प्रीति पाटले, रीता क्षेत्रपाल, संतोष राव धुर्वे, आभा झा, डॉ. कमल नारायण साहू, डॉ. मंजुला साहू, संगीता कश्यप, दीपक ठाकुर, कुनाल रंजन, प्रीति गुप्ता, तरुण श्रीवास्तव, लक्ष्मी प्रसाद साहू, जीपी कैथवाल, आरके जैस, आरपी पांडेय, राजेश चौधरी, आरसी सूर्यवंशी, सुमीता मुखर्जी एवं हरनारायण राठौर शामिल हैं।

कार्यक्रम में अतिरिक्त मुख्य अभियंता सर्वश्री संदीप श्रीवास्तव, बीडी बघेल, राजू लहरी और बीके भगत की गरिमामयी उपस्थिति रही। अतिरिक्त मुख्य अभियंता बीडी बघेल ने अपने उद्बोधन में कहा कि सुरक्षा एवं सतर्कता का परिपालन मानव जीवन की सुरक्षा के लिए हर क्षेत्र में आवश्यक है। अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री संदीप श्रीवास्तव ने सुरक्षा मानकों का पालने करने का आह्वान किया साथ ही राष्ट्रीय संरक्षा सप्ताह के सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की। शुभारंभ समारोह का मंच संचालन सहायक अभियंता प्रिया मिश्रा एवं मुख्य सुरक्षा सैनिक राजेश चौधरी द्वारा किया गया। आभार प्रदर्शन मुख्य सुरक्षा अधिकारी श्री बीडी धनवानी ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में संरक्षा व सुरक्षा विभाग के कर्मचारियों का सहयोग रहा।

एचटीपीएस में प्रतिज्ञा महिला मंडल की अध्यक्ष सोमा ठाकुर और सचिव वंदना साहू बनाई गईं

हसदेव ताप विद्युत गृह कोरबा पश्चिम में प्रतिज्ञा महिला मंडल (जूनियर क्लब) का वर्ष 2021 के लिए नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। इसमें अध्यक्ष श्रीमती सोमा ठाकुर एवं सचिव श्रीमती वंदना साहू बनाई गईं। नवीन कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह कोविड 19 के दिशानिर्देशों का पालन करते हुए कल्याण अधिकारी सुरेश कंवर के मार्गदर्शन में हुआ।

प्रतिज्ञा महिला मंडल के नई पदाधिकारियों को मुख्य अभियंता श्री आर के श्रीवास ने बधाई देते हुए अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की है। श्रम कल्याण केन्द्र के अध्यक्ष अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री संदीप श्रीवास्तव ने शुभकामनाएं देते हुए महिला मंडल के पदाधिकारियों से समाज व जनकल्याण के लिए कार्य करने का आह्वान किया। अध्यक्ष श्रीमती सोमा ठाकुर ने कहा कि कॉलोनी की महिलाओं व बच्चों के विकास के लिए हमेशा प्रयास करती रहेंगी। शपथ ग्रहण में महिला मंडल की पूर्व अध्यक्ष श्रीमती मनीषा वर्मा भी उपस्थिति रहीं। प्रतिज्ञा महिला मंडल की नई कार्यकारिणी में सर्वश्रीमती शीला सिंह, किरण जैस, यास्मीन मेमन, आशा विश्वकर्मा, अनुसूइया साहू, ज्ञानेश्वरी जायसवाल, विमलेश सिंह, सीमा साहू, आरती वर्मा और रीता रावत सदस्य बनाई गई हैं।

दुर्ग में कोरोना जांच शिविर का आयोजन

दुर्ग क्षेत्रीय मुख्यालय में कोरोना जांच शिविर का आयोजन दिनांक 26 मार्च 2021 को चीफ मेडिकल ऑफिसर कार्यालय के सहयोग से किया गया। जिसमें कार्यपालक निदेशक कार्यालय, अधीक्षण अभियंता(वृत्त) कार्यालय एवं वरिष्ठ लेखाधिकारी कार्यालय के 48 अधिकारियों एवं कर्मचारियों का परीक्षण किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत अधीक्षण अभियंता श्री ए.के.गौराहा, वरिष्ठ लेखाधिकार श्री वाय.कोसरिया एवं कार्यपालन अभियंता श्रीमती सनीली चौहान ने स्वयं जांच करवा कर की। तत्पश्चात सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा जांच करवाया गया। कार्यपालक निदेशक श्री संजय पटेल ने कहा कि वर्तमान में सतर्कता ही बचाव का एकमात्र उपाय है, इसलिए सभी कोविड-19 से बचने के लिए राज्य शासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का अनिवार्यतः पालन करें। श्री पटेल ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों से मास्क एवं सेनेटाइजर का अनिवार्यतः उपयोग करने की अपील की।

स्तुति महिला मंडल में श्रद्धा सिंह अध्यक्ष एवं दीक्षा वैद्य सचिव चुनी गईं

अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत गृह (एबीवीटीपीएस) मड़वा की आवासीय कॉलोनी में वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिए स्तुति महिला मंडल (जूनियर क्लब) का गठन किया गया। इसमें श्रद्धा सिंह अध्यक्ष चुनी गईं जबकि सचिव के पद पर दीक्षा वैद्य चुनी गईं।

स्तुति महिला मंडल की अध्यक्ष बनने के बाद श्रद्धा सिंह ने कहा कि महिलाओं के विकास के लिए लगातार प्रयास करती रहेंगी। साथ ही समाज सेवा के कार्यों के लिए सभी महिलाओं को एकजुट रखेंगी। महिला मंडल में उपाध्यक्ष मंजूषा सिरमौर, संयुक्त सचिव प्रियंका तांडी, कोषाध्यक्ष लक्ष्मी साहू, सांस्कृतिक सचिव कामिनी राणा और खेल सचिव शिल्पा बेनर्जी चुनीं गईं। कार्यकारिणी सदस्यों में काजल शर्मा, प्रमिला साहू, रितु रेड्डी, मिथिलेश ठाकुर और अन्नू राठौर शामिल हैं।

अर्चना पांडेय एवं वंदना ठाकुर को मिला 'अभिव्यक्ति-नारी का सम्मान'

अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत गृह जांजगीर में पदस्थ पाली रसायनज्ञ श्रीमती अर्चना पांडेय एवं सहायक अभियंता सुश्री वंदना ठाकुर को तकनीकी क्षेत्र में सराहनीय योगदान के लिए अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर 'अभिव्यक्ति-नारी का सम्मान' दिया गया। जांजगीर-चांपा जिला में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर पुलिस विभाग द्वारा 08 से 14 मार्च तक 'अभिव्यक्ति-नारी का सम्मान' कार्यक्रम जांजगीर स्थित भीमा तालाब परिसर में आयोजित किया गया।

समारोह में मुख्य अतिथि विधायक इंदू बंजारे, विशिष्ट अतिथि अधिवक्ता एवं कांग्रेस नेत्री शशिकांता राठौर, कांग्रेस नेत्री नीता थवाईत व तान्या पांडेय, एसडीएम मेनका प्रधान, जिला सांख्यिकी अधिकारी पायल पांडेय, महिला व बाल विकास अधिकारी प्रीति खोखर चखियार उपस्थित रहीं।

बोरसी उपकेंद्र में 3.15 एम.व्ही.ए. का पॉवर ट्रांसफार्मर टेस्ट चार्ज

उपभोक्ताओं को पर्याप्त वोल्टेज के साथ सतत विद्युत सप्लाई देने हेतु छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रिब्यूशन कंपनी लिमिटेड द्वारा दुर्ग के 33/11 के.व्ही. विद्युत उपकेंद्र बोरसी में 3.15 एम.व्ही.ए. का एक अतिरिक्त पॉवर ट्रांसफार्मर टेस्ट चार्ज किया गया है। उपकेंद्र के अंतर्गत आने वाले विराट नगर, विद्युत नगर एवं पद्मनाभपुर के उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण विद्युत सुविधा मिलेगी। साथ ही लो-वोल्टेज की समस्या से भी निजात मिलेगी। विद्युत कंपनी, उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण बिजली प्रदाय करने के उद्देश्य से तत्परता से कार्य कर रही है।

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रिब्यूशन कंपनी लिमिटेड, दुर्ग क्षेत्र के कार्यपालक निदेशक श्री संजय पटेल ने बताया कि 33/11 के.व्ही. विद्युत उपकेंद्र बोरसी में अतिरिक्त पॉवर ट्रांसफार्मर के लगने से आसपास के लगभग दो हजार उपभोक्ता लाभान्वित होंगे। श्री पटेल ने इसे सतत विद्युत आपूर्ति के लिए उत्कृष्ट कार्य बताते हुए अधीक्षण अभियंता (नगर वृत्त) श्री एस.आर.बांधे एवं उनकी टीम की सराहना की।

फैशन फ्यूजन अफिनिटी में सुनीता जांगड़े बनीं मिसेज पापुलर छत्तीसगढ़

अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत संयंत्र में पदस्थ अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री रजनीश जांगड़े की धर्मपत्नी श्रीमती सुनीता जांगड़े ने फैशन फ्यूजन अफिनिटी में अपने सौंदर्य-कौशल का प्रदर्शन करते हुए मिसेज पापुलर छत्तीसगढ़ 2021 का खिताब अपने नाम किया। तीन मार्च को मारुति लाइफ स्टाइल क्लब परायसो रायपुर में आयोजित इस राज्यस्तरीय फैशन स्पर्धा में 47 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था। जीवन में आध्यात्मिकता को आत्मसात करने वाली श्रीमती जांगड़े की अभिरूचि मॉडलिंग के क्षेत्र में हैं।

छत्तीसगढ़ के 20 जिलों में तीन संस्थाओं द्वारा आयोजित फैशन फ्यूजन अफिनिटी के लिए अलग-अलग तिथियों में ऑडिशन एवं कंपीटिशन आयोजित किए गए थे। इसमें तीन वर्गों से मिस, मिसेज एवं मिस्टर चुने गए। मॉडलिंग व फोटोशूट में अभिरूचि रखने वाली श्रीमती जांगड़े से प्रतिस्पर्धा के दौरान ज्यूरी ने सवाल किया कि एक लड़की कब परिपक्व होकर औरत कहलाती है? श्रीमती जांगड़े ने तार्किकता के साथ जवाब देते हुए कहा कि एक लड़की जब किसी भी परिस्थिति से निपटना सीख जाती और उन परिस्थितियों से खुद को बाहर निकाल लेती है, साथ ही छोटी-छोटी नकारात्मक बातों से वह प्रभावित नहीं होती है, तब एक लड़की औरत कहलाती है।

मड़वा में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन

अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत गृह जांजगीर की वर्किंग वूमन द्वारा जूनियर क्लब में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की वंदना करते हुए दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की सार्थकता पर विचार रखे गए। साथ ही महिला सदस्यों द्वारा गीत एवं डांस की प्रस्तुति दी गई। इसमें मंजू भगत एवं दीपाली गुप्ता द्वारा सुमधुर आवाज में गीत की प्रस्तुति दी गई। जबकि नेहा, मधु राठिया, चंद्रप्रभा, दुर्गा, दिव्या, अल्का, दीपाली एवं परिक्रमा ने डांस की प्रस्तुति दी। इसके साथ ही अलका एवं वंदना द्वारा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन कराया गया जबकि शिल्पा चंद्राकर ने खेल का आयोजन कराया। विजयी प्रतिभागियों को मंच पर पुरस्कृत किया गया।

ग्रामीण विद्युतीकरण निगम, भारत सरकार के उपक्रम हैदराबाद द्वारा प्रायोजित

विद्युत सुरक्षा विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी के केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थान (सी.टी.आई.) रायपुर में विद्युत वितरण अभियंताओं के लिये तीन दिवसीय विद्युत सुरक्षा विषयक प्रशिक्षण आयोजित

ग्रामीण विद्युतीकरण निगम (आर.ई.सी.) हैदराबाद भारत सरकार के उपक्रम द्वारा प्रायोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के सभी क्षेत्रीय मुख्यालय रायपुर, दुर्ग, राजनांदगांव, जगदलपुर, रायगढ़, अंबिकापुर, रायपुर (ग्रामीण), रायपुर (शहर) से अधिकारी तथा छत्तीसगढ़ राज्य पावर ट्रांसमिशन कंपनी रायपुर से एक अधिकारी सम्मिलित हैं। प्रशिक्षण कार्यक्रम में 25 प्रतिभागियों में अतिरिक्त मुख्य अभियंता, अधीक्षण अभियंता, कार्यपालन अभियंता, कनिष्ठ अभियंता सम्मिलित है।

तीन दिवसीय प्रशिक्षण में पटना-रांची से आये विषय विशेषज्ञ सेवानिवृत्ति मुख्य विद्युत निरीक्षक श्री यामिन मुनीर खान एवं श्री आर.जे. सिंह, सेवानिवृत्ति मुख्य अभियंता द्वारा प्रतिदिन 4 सत्रों में आयोजित कार्यक्रम में विद्युत प्रणाली में सुरक्षा की आवश्यकता, सुरक्षा की प्रतिज्ञा, सुरक्षा मंजूरी, सुरक्षा उपकरण, दुर्घटनाओं के विभिन्न कारण, दुर्घटना प्रतिवेदन, दुर्घटना की समीक्षा और रोकथाम, सुरक्षा के उपाय और केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण का नियम (2010 एवं संशोधन), 33/11 उपकेन्द्र में अर्थिंग प्रेक्टिस, सुरक्षा ऑडिट, विद्युत दुर्घटना में प्राथमिक चिकित्सा, यांत्रिक दुर्घटना, सर्पदंश, विद्युत उपकेन्द्र का अग्नि से बचाव इत्यादि पर प्रशिक्षण दिया गया।

केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थान रायपुर के मुख्य अभियंता श्री ए.के. तिर्की के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण आयोजित किया गया। उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम के आरंभ में अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री एन. डब्ल्यू. हेनरी ने बताया कि मैदानी अधिकारियों/कर्मचारियों के लिये दुर्घटना से बचाव के लिए समय-समय पर विद्युत सुरक्षा के प्रशिक्षण आयोजित किया जाता है।

इससे पहले प्रशिक्षण शुभारंभ अवसर पर विषय-विशेषज्ञों एवं अतिथियों का स्वागत अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री डी.आर. साहू, श्री आवेदन कुजूर, श्री एस.के. वर्मा तथा कार्यक्रम के संयोजक श्री एल.आर. देवांगन द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थान के कार्यपालन अभियंता श्री पी.बी. बंजारे द्वारा किया गया।

आकृति महिला मंडल द्वारा 'रंग उत्सव' का आयोजन

अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत गृह (एबीवीटीपीएस) मड़वा में आकृति महिला मंडल द्वारा जूनियर क्लब में होली के मौके पर 'रंग उत्सव' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी के प्रबंध निदेशक की धर्मपत्नी श्रीमती कल्याणी बिजौरा आकृति महिला मंडल थीं। इस अवसर पर अध्यक्ष श्रीमती शशि कोसरिया की गरिमामयी उपस्थिति रही। विशिष्ट अतिथियों में संकल्प महिला मंडल कोरबा पश्चिम की अध्यक्ष श्रीमती रेखा श्रीवास एवं प्रेरणा महिला मंडल डीएसपीएम ताप विद्युत गृह कोरबा पूर्व की अध्यक्ष निवेदिता बंजारा एवं श्रीमती शंकुतला कंवर ने कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस अवसर पर पर्वतारोही अमिता श्रीवास का सम्मान किया गया।

कार्यक्रम में श्रीमती कल्याणी बिजौरा ने महिला मंडल के पदाधिकारियों की प्रशंसा करते हुए रंग उत्सव आयोजन की सराहना की। उत्सव में आकृति महिला मंडल की पदाधिकारियों एवं सदस्यों द्वारा आकर्षक रंगोली का प्रदर्शन भी किया गया। उत्सव में एकल नृत्य एवं गीत प्रस्तुत किए गए। सचिव श्रीमती अनामिका मिश्रा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। श्रीमती सुमन ठाकुर एवं श्रीमती जया वैश्य क्रमशः द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर रहीं। विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कृत भी किया गया। कार्यक्रम में उपाध्यक्ष श्रीमती सुनीता जांगड़े, श्रीमती नीना तिवारी, सचिव अनामिका मिश्रा, सहसचिव श्रीमती प्रियंका गड़पाले, सांस्कृतिक सचिव श्रीमती पुष्पांजलि साक्षी, खेल सचिव श्रीमती रूचि देवांगन, कैशियर छाया कक्कड़ की सक्रिया भागीदारी रही।

कार्यपालक निदेशक श्री सुरेश कुमार दुबे

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी में मुख्य अभियंता सिविल परियोजना-एक के पद पर सेवारत श्री सुरेश कुमार दुबे का जन्म 12 मई 1959 को सैदा (बिलासपुर) में हुआ। वर्ष 1983 से आपने विद्युत के क्षेत्र में अपनी सेवायात्रा आरंभ की तथा करीब 37 वर्षों की अनवरत् सेवायात्रा में अपने मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ के विद्युत विषयक कार्यों के संचालन में अपनी कार्यकुशलता का परिचय दिया।

आपको जीवनयात्रा में अपनी माता स्व. श्रीमती राधादेवी दुबे तथा पिता स्व. श्री आर के दुबे से सुसंस्कारों के साथ उत्तरोत्तर प्रगति करने की प्रेरणा मिली। आपने वर्ष 1977 में हायर सेकण्डरी की परीक्षा रायपुर से तथा आगे वर्ष 1982 में जीसीईटी (वर्तमान में एनआईटी) रायपुर से बी.ई. की उपाधि प्राप्त की।

विद्या अध्ययन की पूर्णता के उपरांत वर्ष 1983 में मध्यप्रदेश विद्युत मण्डल से ग्रेच्युट ट्रेनी के पद से टोन्स हाइडल प्रोजेक्ट सिरमौर (रीवां) से अपने अपनी सेवायात्रा आरंभ की। आगे वर्ष 1984 में सहायक अभियंता सिविल के पद में सर्वेक्षण संभाग मंडला, एचटीपीए कोरबा वेस्ट तथा सिविल उपसंभाग बिलासपुर, ताप विद्युत परियोजना बिरसिंगपुर में आपने अपनी सफलतम सेवाएं दीं।

आगे वर्ष 1999 में कार्यपालन अभियंता, वर्ष 2008 में अधीक्षण अभियंता तथा वर्ष 2011 में अतिरिक्त मुख्य अभियंता के पद पर आपको पदोन्ति मिली। इन पदों पर आपने संजय गांधी ताप विद्युत गृह बिरसिंगपुर, रायपुर एवं मड़वा ताप विद्युत परियोजना में अपनी कार्यदक्षता को प्रदर्शित किया। आगे वर्ष 2019 में आपकी उत्कृष्ट सेवाओं का मूल्यांकन करते हुए मुख्य अभियंता के पद पर आपको पदोन्नति प्राप्त हुई। कंपनी मुख्यालय रायपुर के सिविल परियोजना-एक में आप इस पर आप अपनी सेवाएं दे रहे हैं। कठोर परिश्रम एवं टीम वर्क को अपनी सफलता का मूल मंत्र आप मानते हैं। खेलकूद में आपकी विशेष अभिरूचि है। आपने बेडमिंटन, लॉन टेनिस एवं टेबल टेनिस में विभिन्न रीजन का प्रतिनिधित्व किया है। कुलीन टावर, हाट वॉटर डक्स के न्यूनतम अवधि में पुनर्निर्माण हेतु 15 अगस्त 2016 को आपको प्रशस्ति पत्र एवं पारितोषिक से अलंकृत होने का गौरव प्राप्त है।

दुर्ग क्षेत्र में कर्मचारियों हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम

दुर्ग क्षेत्र अंतर्गत लिपिकीय कर्मचारियों हेतु इन्फॉर्मेशन टेक्नॉलाजी वैरियंट-06 कार्यक्रम के अनुसार दिनांक 25 से 27 फरवरी 2021 एवं दिनांक 16 से 18 मार्च 2021 तक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कार्यपालक निदेशक श्री संजय पटेल ने कहा कि समुद्र की तरह ज्ञान व्यापक होता है। जिस तरह से इन्फॉर्मेशन टेक्नॉलाजी के क्षेत्र में तेजी से प्रगति हो रही है। इस विषय पर कर्मचारियों को कार्यक्षेत्र में दक्ष बनाने के लिए प्रशिक्षण आवश्यक है। आप जितना ज्यादा ज्ञान ग्रहण करेंगे कार्य के प्रति आपका आत्मविश्वास उतना ही दृढ़ होगा।

तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में कम्प्यूटर की बेसिक जानकारी, इंटरनेट एवं ई-मेल, इंटरनेट सेफ्टी, मेल मर्जिंग, टेबल क्रिएशन, पिवोट टेबल, पिवोट चार्ट, एम.एस.एक्सेल, केल्क्यूलेशन, एम.एस.वर्ड एवं एम.एस.एक्सेल की बारीकियों से विशेषज्ञों द्वारा प्रतिभागियों को अवगत कराया गया। कार्यक्रम में सहायक अभियंता श्रीमती सीमा ढील, श्री एन.के.राठी एवं श्रीमती मीमन सुमन तथा कनिष्ठ अभियंता श्रीमती अरुणा राव द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र, एक नग एलईडी बल्ब एवं पेन ड्राइव प्रदान किया गया।

समापन कार्यक्रम में अधीक्षण अभियंता श्री एच.के.मेश्राम, कार्यपालन अभियंता श्री आर.के. चन्द्राकर, श्रीमती सनीली चौहान, सहायक प्रकाशन अधिकारी श्रीमती माया चन्द्राकर सहित सभी प्रशिक्षणार्थी उपस्थित हुए। कार्यक्रम का संचालन निज सहायक श्री बी.एस.राजपूत द्वारा किया गया।

हमारे गौरव

श्रीमति अनिता डूमरे

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी डंगनिया औषधालय में कार्यरत श्रीमति अनिता डूमरे ने प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना की योग प्रशिक्षक परीक्षा 99 प्रतिशत अंकों से अर्जित किया। इन्होंने आयुष मंत्रालय भारत सरकार द्वारा योगा लेबल-2 की परीक्षा वर्ष 2021 में उत्तीर्ण कर पॉवर कंपनी को गौरवान्वित किया। बधाई...

अमिता ने की अफ्रीका की सबसे ऊंची चोटी माउंट किलीमंजारो फतह

8 मार्च का दिन दुनिया में नारी शक्ति के नाम समर्पित कर रखा है। मानव समाज की प्रगति में नारी शक्ति की भूमिका सदैव अग्रणी रही है। जल, थल, नभ में नारी समुदाय ने सदियों से अपनी विशिष्ट पहचान को बनाये रखा है। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा की बेटी अमिता श्रीवास ने अफ्रीका महाद्वीप के तंजानिया में स्थित सबसे ऊंची चोटी माउंट किलीमंजारो को फतह करके ऐसी शक्ति को दम खम के साथ प्रदर्शित किया। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 8 मार्च 2021 की सुबह 7.45 बजे जब देश-प्रदेश के लोगों की दिनचर्या शुरू हो रही थी, तब इस वीरांगना बेटी ने अफ्रीका महाद्वीप की 5895 मीटर ऊंची बर्फ से ढंकी चोटी पर राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा को फहराया।

4 मार्च को भारतीय समयानुसार सुबह 10 बजे आरंभ हुआ पर्वतारोहण अभियान 8 मार्च को अमिता के माथे पर विजय तिलक के साथ संपन्न हुआ। ऐसा विजयी मुकाम हासिल करने वाली वे छत्तीसगढ़ मूल की पहली बेटी बनी। इस उपलब्धि के लिए प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल जी ने गर्व व्यक्त करते हुए अमिता सहित उनके परिवारजनों को बधाई दी।

जंजगीर चांपा के एक निम्न-मध्यम वर्गीय परिवार में जन्मी अमिता ने अनेक राष्ट्र स्तरीय खेल स्पर्धा में भी छत्तीसगढ़ का नाम रौशन किया है। छत्तीसगढ़ की गौरव 32 वर्षीय अमिता के पिता श्री जैतराम श्रीवास हेयर कटिंग का काम करते हैं। उनके परिवार की आर्थिक स्थिति अत्यंत साधारण है, अतः अमिता की अद्वितीय क्षमता और विभिन्न क्षेत्रों में अर्जित दक्षता को प्रेरित-प्रोत्साहित करने के लिए छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज के अटल बिहारी बाजपेयी ताप विद्युत संयंत्र मड़वा की ओर से सीएसआर मद से सहयोग राशि प्रदान की गई।

अमिता की साहसिक यात्रा पर पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के ई.डी. (ओ एंड एम) कार्यालय रायपुर में पदस्थ **मुख्य सांख्यिकी अधिकारी श्री राजेश श्रीवास ने बातचीत की** जो कि इस तरह है :

राजेश- अमिताजी, पर्वतारोहण के प्रति अपनी रूचि के संबंध में बताएं।

अमिता- मुझे बचपन से ही खेलकूद में गहरी अभिरूचि रही है। चांपा के शासकीय पाठशाला और महाविद्यालय में मैंने अपनी शिक्षा पूर्ण की। कुछ हट कर करने की लालसा को पूरा करने की जिद ने मुझे पर्वतारोहण की ओर प्रेरित किया। इस हेतु मुझे प्रेरणा राज्य के प्रथम एवरेस्ट विजेता पर्वतारोही राहुल गुप्ता जी से मिली। मैंने हैदराबाद में ट्रेकिंग का प्रशिक्षण लिया। सिक्किम की कई दुर्गम पहाड़ियों की चढ़ाई की। आगे बढ़ते हुए किलीमंजारो के शिखर को मैंने छू लिया।

राजेश- किलीमंजारो के शिखर पर ध्वज लहराते कैसा अनुभव रहा ?

अमिता- अफ्रीका की भौगोलिक परिस्थितियां और घने जंगल छत्तीसगढ़ की परिस्थितियों से बिल्कुल अलग है। वहां कठिन ट्रेकिंग के समय केवल हमारा हौसला ही हमें आगे बढ़ाता रहा। बर्फीली हवाएं और चारों ओर बर्फ के बीच जिद् थी कि लक्ष्य को येनकेन प्रकारेण हासिल करना है। इस संकल्प को साकार करने के उपरान्त चोटी पर तिरंगा लहराते समय गर्व से सीना फूला हुआ था और शीश माँ भारती सहित छत्तीसगढ़ महतारी के चरणों पर झुका हुआ था।

राजेश- पुरूषों के वर्चस्व वाले क्षेत्रों में बेटियों के बढ़ते कदम पर आपकी क्या प्रतिक्रिया है ?

अमिता- बदलते वक्त के साथ अब शायद ही कोई ऐसा क्षेत्र शेष होगा जहां कि पुरूषों के साथ-साथ महिलाओं ने बढ़-चढ़कर अपनी भागीदारी न दी हो। बेटियों के बढ़ते कदम की गति में और प्रगति हो, इसके लिए शिक्षा एक शक्तिशाली शस्त्र है। इसे ग्रहण करने की जिद् सभी बेटियों में हो, यही मेरी कामना है। सरकार के साथ साथ सामाजिक संस्थाएं बेटियों को बढ़ाने के लिए आगे आ रहे हैं। यह बेटियों की सोच पर मोच आने नहीं देगी। 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' के अभियान में सक्षम महिलाओं की सक्रिय भागीदारी इसे कारगर बनायेगी।

राजेश- वर्तमान में आप क्या कर रही हैं ?

अमिता- जीविकोपार्जन के साथ-साथ शिक्षा का सदुपयोग करने हेतु वर्तमान में मैं महिला एवं बाल विकास विभाग में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के पद पर सेवारत हूं। इस पद पर रहते हुए माता, बहन, बेटियों के संपर्क में निरन्तर आना होता है। इसका लाभ लेते हुए उन्हें भी हताश-निराश रहने से दूर अनवरत् आगे बढ़ने की प्रेरणा देने प्रयासरत रहती हूं।

राजेश- पर्वत पर चढ़ाई के समय आत्मबल को कैसे बनाये रखते थे ?

अमिता- नई जगह के साथ-साथ सब कुछ प्रतिकूल घड़ी में आत्मबल ही मेरा संबल था। इसका अहसास मुझे था, इसलिए मैंने धैर्य और मनोबल को टूटने नहीं दिया। ऊंचाई में सिर दर्द और बैचेनी का भी सामना करना पड़ा। संघर्ष की घड़ी में ईश्वर का स्मरण तो करती रही पर पूरी तरह से अपने आपको भगवान के भरोसे छोड़ने के बजाय हिम्मत से हाथ-पैर हिलाती रही अर्थात् सक्रियता को सतत् बरकरार रखी और बाजी मेरे हाथ में आ गई।

राजेश- नये पर्वतारोहियों को क्या संदेश देंगी और भविष्य में आपकी क्या योजना है ?

अमिता- नई पीढ़ी के पर्वतारोही साथियों को यही कहना चाहूंगी कि ईमानदार कोशिश के बूते जीवन के हर एक क्षेत्र में कामयाबी पाई जा सकती है। संकल्प का धन यदि आपके पास है तो हर धन की व्यवस्था हो सकती है। अपने इसी संकल्प धन के बल पर भविष्य में माउंट एवरेस्ट को फतह करने की मेरी योजना है। मैं छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज के साथ-साथ अन्य सभी सहयोगी संस्थाओं, व्यक्तियों के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करती हूं, आजीवन ऋणी रहूंगी।

रिश्तों में दरार बनाता वायरस

कहानी

मगन लाल जी का मन आज बहुत विचलित था। बहुत दिन हो गये थे बहन, बहन दामाद और,भांजे-भांजियों से मिले हुए। एक ही शहर में रहते हुए इस कोरोना महामारी के चलते हुए लॉकडाउन ने इतना मजबूर कर दिया था कि रिश्तेदारों का मुंह देखना भी मुहाल हो गया था। गहरी सोच और चिंता में डूबे मगनलाल जी अपने पुराने दिन याद करने लगे। पैतालीस साल पहले पिता की अचानक टीबी से मृत्यु के बाद जब गांव छोड़कर और गांव से सब कुछ समेट कर इस शहर में आये थे तो जिम्मेदारियों के सिवा कुछ भी तो नहीं था पास में। गांव में जो कुछ था वह तो पिताजी की बीमारी के चलते पहले ही दवा और डॉक्टरों की भेंट चढ़ चुका था।

इस कठिन परिस्थिति और दुखों को न झेल पाने के कारण मां पहले ही चल बसी थी। अब सर पर पत्नी, दो छोटे बच्चे और पन्द्रह साल की बहन रत्ना की जिम्मेदारी थी और हाथ में कुछ बर्तन, पत्नी के कुछ छोटे-मोटे सुहाग के जेवर जिसके सहारे जिन्दगी की नई शुरुआत कैसे करनी है यह भी नहीं सूझता था। हां पत्नी यशोदा जरूर इस दौर में भी उनकी हिम्मत बंधाते रहती और ढांढ़स देती रहती कि 'जब अच्छे दिन नहीं रहे तो बुरे दिन भी हमेशा नहीं रहेंगे।' कान में पिताजी के अंतिम शब्द भी गूंजते हुए हिम्मत देते रहते कि 'बेटा अब तुम्हें ही सब संभालना है, हिम्मत और लगन से काम लेना, रत्ना का ख्याल रखना ये अब तुम्हारी जिम्मेदारी है, कोशिश करना कि इसे कभी कोई तकलीफ न पहुंचे, अच्छे घर में इसकी शादी करना।'

उन्होंने भी तो पिताजी को इस बात का भरोसा दिलाया था। वाकई दिन पलटे थे, पत्नी की हिम्मत और प्रोत्साहन के बाद उसके बचे खुचे जेवर बेचकर घर-घर डबलरोटी और बेकरी का सामान बेचने की मेहनत इतनी रंग लाई थी कि आज उनकी गिनती शहर के बड़े किराना व्यापारियों में होती थी। उन्हें खुशी थी कि अपनी मेहनत और लगन के बल पर कमाये धन और नाम के कारण रत्ना की शादी स्टील कारोबार से जुड़े बड़े कारोबारी और प्रतिष्ठित परिवार में शान-शौकत के साथ करने में सफल हुए।

मगनलाल जी ने सोचा कि रत्ना और उसके खुशहाल परिवार को देखकर मां-पिताजी की आत्मा जरूर प्रसन्न होगी। 'अजी तुम तो रत्ना जीजी के यहां जाने वाले थे न बैठे-बैठे क्या सोच रहे हो?' यशोदा की आवाज से मगनलाल जी की तन्द्रा टूटी, नम हो आई आंखो को कमीज की बांह से पोंछते हुए रत्ना के यहां ले जाने के लिए पत्नी द्वारा साथ रखे सामानों को सहेजने में लग गये। इस बीच घर के बगीचे के पपीता, कच्चे आम,घर के बने आटे के लड्डू और न जाने क्या क्या यशोदा ने जोड़ दिया था कुछ रत्ना की पसंद के, कुछ दामाद जी और कुछ भांजे-भांजियों की पसंद का।

यशोदा को कुछ कह पाते तभी मगनलाल जी को हल्की खांसी का एक दौरा उठा, कमीज की बांह से मुंह ढ़ंकते हुए उन्होने प्यार भरे गुस्से से यशोदा को देखा और उसे छेड़ते हुए बोले-'मैंने तो तुम्हें पहले ही कहा था न ये लस्सी वगैरह का चाव अभी रहने दो, मौसम अभी बदल ही रहा है और मुझे ठण्डी चीजें अधिक 'सूट' भी नहीं करती लो हो गई ना ये खांसी। अभी ही होना था इस कलमुंही खांसी को।' ओ हो हो... बात का बतंगड़ बनाना तो कोई तुमसे सीखे, वैसे भी डॉ. मिश्रा चेक कर चुके हैं और बता चुके हैं यूं ही मौसमी सर्दी खांसी है, गरम पानी, अदरक वाली चाय पियो एक दो दिन में ठीक हो जायेगी लेकिन तुम तो उस लस्सी के पीछे ही पड़े हुए हो। तुम्हे तो मुझे दोषी ठहराने का कोई बहाना होना चाहिए बस।" ...हंसते हुए यशोदा ने जवाब दिया तो मगनलाल जी भी मुस्कुराने लगे।

इस हंसी-मजाक के बीच और खांसी का एक हल्का ठसका फिर लगा और मगनलाल जी पत्नी के जोड़े हुए सामान सहेजने लगे, सब कुछ समेट कर अपनी पुरानी और प्यारी मारूति 800 में बैठकर निकल गये थे मगनलाल जी शहर के एक छोर में दस-पन्द्रह किलोमीटर दूर बसे रामनगर की ओर। बहुत ही पॉश कॉलोनी थी सारे मकान कई-कई मंजिलो के थे, और हो भी क्यों न आखिर शहर के अधिकांश बड़े लोग इसी कॉलोनी में ही तो रहते थे। बस अब कुछ दूर ही रह गया था रामनगर कि अचानक स्कूटी पर शहर की ओर जाता हुआ छोटा भांजा मनोज उन्हें दिख गया। मनोज ने भी उन्हें देख लिया था मगनलाल जी ने एक किनारे कार रोक ली, मनोज भी समीप आ गया था। 'कहां जा रहे हो बेटा, मैं तो तुम्हीं लोगों से ऊंहूं ऊंहूं तुम्हीं --उहूं,उहूं ... मैं तो तुम्ही लोगों से मिलने जा रहा था।' खांसी को मुंह में दबाते हुए मगनलाल जी ने अपनी बात पूरी की।

मनोज ने दूर से ही प्रणाम करने का इशारा किया और बताया कि 'शहर से कुछ जरूरी सामान लेने जा रहा हूं बस थोड़ी देर में वापस आता हूं वर्ना दुकानें बंद हो जायेंगी।' मगनलाल जी ने सहमति में सिर हिलाया और पूछा- 'वैसे घर में सब लोग कुशल से तो हैं ना' -'हां-हां सभी लोग बिल्कुल ठीक हैं। सुबह से रामधन आ जाता है नाश्ता-खाना बना देता है अब तो रोज एक से एक डिश तैयार करके अपना हुनर दिखाते रहता है। दुलारी, मानो, लता, रामू, छन्नो और गुड़िया भी अपने समय में आकर सब काम निपटा जाते हैं किसी बात की कोई चिंता फिकर नहीं है।' मनोज की बातों से

मगनलाल जी को बड़ी निश्चिंतता हुई अपने ऊपर गर्व भी हुआ कि कैसे अच्छे और हंसते-खेलते घर में उन्होंने बहन का ब्याह किया है। उऊहूं, ऊहूं... खांसी को अपनी कमीज की बांह से दबाते हुए उन्होने मनोज को जल्दी घर लौटने का इशारा किया और कार रामनगर की ओर बढ़ा दी। बस दो तीन मिनट के बाद ही उनकी कार कॉलोनी के बड़े से गेट के सामने खड़ी थी।

दरबान ने इशारे से उन्हें रोका और पूछा 'कहां जाना है? किनसे मिलना है?' मगनलाल जी ने एक बार खंखारा और गर्व भरी मुस्कुराहट के साथ बताया- 'बंगला नम्बर ग्यारह, रोहित जी के घर, मेरे दामाद हैं वो' अच्छा तो आप मगनलाल जी हैं। दरबान ने जैसे ही कहा तो मगनलाल जी की बांछे खिल गई, जरूर मनोज ने मेरे पहुंचने से पहले ही घर में और गेट में फोन कर दिया है। गर्व से एक बार फिर मगनलाल जी का चेहरा खिल गया,उन्होने गर्व और हर्षमिश्रित नजरों से एक बार फिर दरबान को देखा।

वो क्या है कि ग्यारह नम्बर वाली रत्ना मैडम जी का अभी-अभी गेट पर फोन आया है कि आप उनसे मिलने आ रहे हैं। दरबान ने बताया। बात पूरी करते हुए दरबान ने आगे कहा... उन्होंने कहा है कि आपको खांसी जैसी कुछ हो रही है तो आपको अंदर मत आने देना वो क्या है 'कोरोना' का दौर है ना तो थोड़ा सावधानी रखनी पड़ेगी। माफ करेंगे बाबूजी, आप यहीं से लौट जाईये, उन्होने आपको अंदर भेजने के लिए मना किया हुआ है। अब हम लोग तो ठहरे नौकर, मालिक जैसा कहते हैं वैसा ही करना पड़ता है ना, कृपया बुरा नहीं मानेंगे। मगनलाल जी जैसे आसमान से जमीन पे गिरे हों भौचक्के, हतप्रभ। एकाएक कुछ बोल भी नहीं पा रहे थे आंख के आगे अंधेरा सा छा रहा था, कानों पर भरोसा नहीं हो रहा था कि जो कुछ सुन रहे हैं वह कहने के लिए रत्ना ने ही कहा है। जिस घर में इस कोरोना के दौर में भी छह-सात घरेलू नौकरों के आने-जाने पर मनाही नहीं है उसी घर में खुद के भाई के आने की मनाही।

आंखे भर आई थी मगनलाल जी की। अचानक बीमार से लगने लगे थे, थोड़ी देर आंखे बंद किये कार में ही बैठे रहे फिर जैसे-तैसे खुद को संभाला और कार की पिछली सीट पर रखे हुए सारे सामान को कांपते हाथों से उठाकर दरबान को देते हुए बोले -कोई बात नहीं भाई तुम्हें तो अपनी ड्यूटी करनी ही है, मेरा एक काम करना ये सारा सामान ग्यारह नम्बर वाली कोठी में पहुंचा देना कहना मगनलाल जी दे गये हैं, इसमें मेरे भांजे मनोज की पसंद के कच्चे आम, मेरे बहन दामाद रोहित जी को बेहद पसंद आटे के लड्डू और घर के पपीते हैं, घर के और लोगों के पसंद की और भी छोटी - मोटी सी चीजें हैं। ...ना बाबूजी ना रत्ना मैडम ने यह भी कहा है कि यदि आप कुछ सामान दें तो उसे भी नहीं लेना है क्योंकि आजकल 'कोरोना' का बड़ा प्रकोप है। उन्होंने बताया है कि 'कोरोना' का वायरस तो सामान के साथ भी आ जाता है। माफ करना बाबूजी ये सामान मैं नहीं ले सकूंगा।

अब तो मगनलाल जी की रही सही हिम्मत भी टूट चुकी थी, सिर निढाल होकर कार की स्टीयरिंग व्हील पर टिक गया था। आंख से छल-छल आंसू बहने लगे और फूट-फूटकर रोने लगे, जो कुछ सुन रहे थे उस पर विश्वास नहीं हो रहा था लेकिन विश्वास नहीं करने का भी कोई कारण नहीं था। खांसी का एक तेज ठसका इस बीच उन्हें लगा। स्टीयरिंग से सिर उठाते हुए उन्होने बेबस नजर से दरबान की ओर देखा। दरबान की दया और सहानुभूति भरी नजर भी उनकी ओर ही टिकी हुई थी।

फिर एक नजर कॉलोनी के गेट से दूर ग्यारह नम्बर बंगले की ओर उन्होने देखा उन्हें लगा कि अभी-अभी ग्यारह नम्बर की कोठी की बॉल्कनी में खड़ा हुआ कोई व्यक्ति तेजी से अंदर की ओर गया है फिर उन्होने खुद को समझाया कि नहीं वहां कोई नहीं था जरूर उन्हें भ्रम हुआ होगा। एक नजर घर से लाये हुए सामानों की ओर देखा जो कार की सीट पर ही रखे हुए थे। उन्हीं की तरह रूंआसे और उदास। मगनलाल जी ने इग्निशन में कांपते हाथों से चाबी घुमाई, गाड़ी स्टार्ट की और वापस घर जाने के लिए मुड़ गये। अनेक विचार, अनेक यादें, जेहन में उमड़-घुमड़ रही थीं। यशोदा को क्या कहेंगे, बच्चों को क्या बतायेंगे, बुआ ने क्या भेजा पूछेंगे तो क्या दिखायेंगे?

मगनलाल जी को लग रहा था कि जीवन की कड़ी से कड़ी परिस्थिति में वे इतना नहीं टूटे थे जितना आज, क्या कोई महामारी शरीर के अलावा रिश्तों को भी इतना बीमार कर देती है? तन की बीमारी का तो फिर भी डॉ. मिश्रा कुछ न कुछ ईलाज कर ही देंगे पर इन बीमार रिश्तों का इलाज कैसे होगा? ये कोरोना तो आज है कल चला ही जायेगा, शरीर किसी न किसी तरह इस वायरस से लड़ ही लेगा, लेकिन रिश्तों की बुनियाद में स्वार्थ और डर का जो वायरस घुस गया है उससे कौन लड़ेगा? कैसे लड़ेगा, और कब तक लड़ेगा?

श्री अशोक शर्मा
सहा. प्रबंधक (से.नि.)

कुर्यात सदा मंगलम्

अभिलाष संग सोनम

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के कार्यपालक निदेशक (सतर्कता) कार्यालय रायपुर में पदस्थ सहायक अभियंता इंजीनियर श्री एन.आर.छीपा के सुपुत्र चि. अभिलाष का शुभविवाह श्री महेन्द्र अग्रवाल निवासी रायपुर की सुपुत्री सौ.का. सोनम के साथ 25 अप्रेल 2021 को भिलाई में सानंद संपन्न हुआ। बधाई...

लद्दाख की बर्फीली वादियों में जीने का आनंद

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के मानव संसाधन विभाग में पदस्थ प्रबंधक श्री संतोष कुमार साहू ट्रेकिंग में गहरी अभिरुचि रखते हैं। इन्होंने अनेक बार विभिन्न पर्वतीय क्षेत्रों की रोमांचक ट्रेकिंग की है। इस विषय पर प्रकाशन अधिकारी श्री विकास शर्मा से उनकी रोचक बातचीत हुई। बातचीत में श्री साहू ने बताया कि भारत का सूदूर उत्तर का क्षेत्र है लद्दाख। इस बर्फिले रेगिस्तान के प्राकृतिक वैविध्य को महसूस करने का सुखद अवसर मेरे जीवन का अविस्मरणीय अध्याय है। नौ दिवसीय ट्रेकिंग के दौरान भारत की भौगोलिक विराटता, सांस्कृतिक संपन्नता और सीमा सुरक्षा की व्यापकता के अनुभव को बटोरने का मुझे मौका मिला। लद्दाख के हिम आच्छादित क्षेत्र में जांसकार उपक्षेत्र है। यूं तो इसकी पहचान सिंधु नदी से होती है परंतु संगम पर जांसकार नदी की विराटता सिन्धु से कमतर नहीं होती।

बर्फीली सर्द हवाओं की मार सहते लेह से नैरेक तक पहुंचने की अपनी नौ दिवसीय यात्रा के संबंध में आगे उन्होंने बताया कि हमारी टीम ने लेह से 60 किलोमीटर दूर चिलिंग तक की यात्रा बस से पूरी की। चिलिंग से नैरेक जलप्रपात तक लगभग 35 किलोमीटर का रास्ता बर्फ की चादर में तब्दील हो चुकी नदी पर बना हुआ था जिस पर हमें न केवल चलना था बल्कि पांच दिन और चार रात गुजारना भी था। यहां पर तापमान माइनस 20 डिग्री से माइनस 30 डिग्री तक होता है। ऐसे तापमान पर तम्बुओं में रात गुजारने की कठिनाई तब और बढ़ जाती है जब वनस्पति रहित क्षेत्र में ऑक्सीजन की कमी होती है और सर्द हवाएं तेज चलती हैं।

ऐसी प्रतिकूल परिस्थितियों में स्वयं के मनोबल को कैसे मजबूत रखते हैं के सवाल पर श्री साहू ने बताया कि रोमांच के क्षण को आनंद देने वाले पल के रूप में लेते हुए हमने स्वयं को इसके अनूरूप ढाल लिया। जब हमने नदी पर जमी बर्फ की सफेद चादर को देखा तो हमारी आंखे फटी की फटी रह गईं। दो मीटर मोटी बर्फ की चादर के नीचे जांसकार नदी की अविरल धारा सतत प्रवाहमान थी। मोटे-मोटे कपड़े तथा गमबूट पहने हम अपनी पीठ पर अपना सामान लादे वॉकिंग पोल (लाठी) के सहारे उस पर चलने का प्रयास करना हमारे आनंद को द्विगुणित कर रहा था। बर्फ की चादरों में बड़ी चतुराई और सतर्कता से चलने की आवश्यकता होती है। कभी हम छोटे-छोटे कदमों से चलते तो कभी पैरों को फिसलाकर आगे बढ़ते थे। हमें इस बात का अहसास भी था कि बर्फ की पतली चादर पर कदम रखना घातक हो सकता है।

बर्फीली नदी में भीगने का खामियाजा ट्रेकिंग के दौरान कहीं भुगतने की नौबत तो नहीं आई, पूछने पर उन्होंने बताया कि बर्फीली नदी में भीगना सीधे-सीधे अपनी मौत को आमंत्रित करना है। ऐसी मौत को "फ्रॉज-बाइड" कहते हैं। शरीर के तापमान को सामान्य रखने के लिये चलते रहना या फिर उछल-कूद करना आवश्यक होता है।अपने आपको इन सबसे सुरक्षित रखते हुए ट्रेकिंग की पहली शाम होते-होते हम सिंग्राकोमा नामक स्थान पर पहुंच गये। वहां बर्फीली नदी की कल-कल की आवाज के बीच बर्फ की चादर टूटने की भयावह आवाज से बीच-बीच में हम सिहर उठते थे। ऐसी कड़कती ठंड में दोहरे स्लीपिंग बैग के अंदर ताबूत की तरह सोना एक अनोखा अनुभव रहा। अगले दिन 15 किलोमीटर की यात्रा तय कर शाम ढलने से पहले हम टिब्ब गुफा पहुंचे।

वैसे तो रास्ते भर छोटी-छोटी सभी गुफाओं में यात्री रात गुजारते हैं परंतु कुछ गुफाओं में तेंदुए, सियार एवं लोमड़ी जैसे जानवरों के स्थाई निवास होते हैं। ट्रेकिंग के तीसरे दिन नैरेक जलप्रपात से अपने टिब्ब गुफा कैम्प तक लौटना था। इस दिन 10 किलोमीटर जाना और उतना ही लौटना था। अत्याधिक ठंड होने के बावजूद भी जमे हुए जलप्रपात को देखना अद्भुत अनुभव था। लद्दाख प्रशासन पर्यटन के माध्यम से स्थानीय रोजगार को बढ़ावा देने प्रयास करती है।

अंधेरा होने से पहले शाम तक हम टिब्ब गुफा लौट गए। अगले दिन सिंगराकोमा वापस आने पर माइनस 20 से माइनस 25 डिग्री के तापमान से हमको राहत मिली। अंतिम दिन सुबह दो घंटे की यात्रा कर चिलिंग पहुंचे जहां से हमने चलना शुरु किया था। थोड़ी देर में हमारी बस पहुंची और शाम होते- होते हम लेह पहुंच चुके थे। ट्रैकिंग के बाद भ्रमण का अगला पड़ाव था खारदूंगला पास। लेह से खारदूंगला करीब 50 किलोमीटर है। अधिक ऊचांई पर ऑक्सीजन का स्तर काफी कम हो जाता है। 18 हजार फीट की ऊंचाई पर हम कल्पना नहीं कर सकते कि हमारी सेना किस प्रतिकूलता के बीच देश की रक्षा के लिए तैनात रहती है।

अगले दिन पैंगगांग झील पहुंचे। इस मार्ग में जिंगराल पास और चांगला पास से गुजरते हुए डूरबुक आए। डूरबुक वही स्थान है जहां से लेह की तीसरी बड़ी नदी श्याक गुजरती है। दोपहर पैंगगांग पहुंचे जहां खारे पानी का सबसे ऊंची झील है जिसके आधे हिस्से पर हमारे देश का नियंत्रण है और आधे में चीन का। बहरहाल, जांसकार नदी की बर्फीली चादर, खारदूंगला और पैंगगांग का अनुभव लद्दाख की स्मृतियों को चिरस्थाई बना गई। लद्दाख की भूमि, वहां के लोग और वहां की स्मृतियां हमेशा मुझे रोमांचित करती रहेंगी।

प्रकृति से नाता

क्रूर कोरोना वायरस के कालचक्र में फंसने से बचने की मेरी तमाम कोशिश बेकार गई। पता ही नहीं चला और मैं इस घाघ वायरस की चपेट में आ ही गया। तेज बुखार, सर्दी-खांसी के साथ कोरोना वायरस ने जब मुझे जकड़ा तो मेरा मन मुझे जीते जी मारने लगा। किसी रोगग्रसित व्यक्ति की प्राण रक्षा करने के लिए ईश्वर स्वरूप चिकित्सक ही आगे आते हैं। मुझे भी ऐसे समय में हमेशा की भांति डाक्टर छाबड़ा का साथ और हाथ मिला। उन्होंने कोरोना वायरस को मात देने वाली असरकारी दवाओं के साथ-साथ टेम्प्रेचर, आक्सीजन लेवल, पल्स रेट, शुगर और ब्लड प्रेशर पर नजर रखने की सख्त हिदायत दी।

जानलेवा गंभीर रोगग्रस्त मरीजों के लिए रात्रिकाल को अधिक खतरनाक माना जाता है। इसका जीवंत अहसास मुझे भी रह-रह कर रात में कोरोना वायरस करा रहा था। ऐसी जानलेवा घड़ी में भी कोई तीमारदार पास नहीं था। मुझे उस वक्त कोमल बिस्तर भी कांटों से भरे बिछौना की भांति चुभ रहा था। किसी तरह मन को मजबूत बनाकर डाक्टर के परामर्श का अनुशरण करते हुए मैंने आक्सीजन लेबल जांचने उंगली में आक्सीमीटर लगाया तो उसके स्क्रीन पर आक्सीजन लेबल नब्बे प्रतिशत अंकित हुआ। इसे देखकर मैं सिहर उठा, क्योंकि चिकित्सकों के अनुसार चौरान्बे प्रतिशत से नीचे आक्सीजन लेबल का होना प्राणघातक होने का संकेत है। मुझे लगा मेरा जीवन दीप बुझ जाएगा।

आईना बोलता है

मुझे यकीन ही नहीं हुआ,अतः कुछ समय बाद मैंने पुनः आक्सीमीटर अपनी उंगली में लगाया।तब उसके स्क्रीन पर आक्सीजन लेबल पहले तो तिरानबे प्रतिशत दर्ज हुआ,पर धीरे धीरे बढ़कर छियान्बे प्रतिशत तक जा पहुंचा। जिसे देखकर मेरी उखड़ती सांसों में नई जान आ गई।मैं आंखें बंद करके बिस्तर पर लेट गया। तभी किसी ने बड़ी मीठी आवाज में मुझे पुकारा-दादू ओ दादू। अपने मन को भारी मत करना। निराश हताश मत होना। हां दादू, अगर खुद से नहीं हारे तो आपकी जीत सुनिश्चित है। ऐसी मधुर वाणी के साथ-साथ मन में आत्मविश्वास की प्रबल ज्योति प्रज्ज्वलित करने वाली उस आवाज से मैं मोहित हो गया। उस महाबली को देखने बिस्तर से उठ कर मैं खिड़की के बाहर झांकने लगा।

तभी खिड़की से कुछ दूरी पर उगे एक करंज के पेड़ से किलकारी सुनाई दी। और उसमें हल्की सी सरसराहट हुई, फिर आवाज आई -दादू,मैं ही तुमसे बात कर रहा हूं। तुम्हारा अपना करंज, जिसे दस वर्ष पूर्व तुमने रोपा था। करंज की बातें सुनकर दस वर्ष पुरानी धुंधली हो चली यादों को पुनर्जीवित करने मैंने दिमाग पर जोर दिया, तो याद आया कि मॉर्निंग वॉक के दौरान करंज का नन्हा बिरवा मुझे सड़क पर पड़ा मिला था। जिसे मैंने लाकर अपने आंगन में रोप दिया था। खिड़की की सलाखों को कसकर पकड़े मैं करंज की यादों में खोया था, तभी मेरी सांसे फिर से तेजी से चलने लगी।

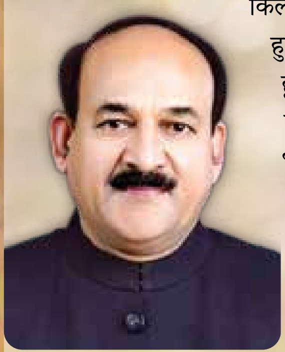

विजय मिश्रा "अमित"
संपादक

मेरे हाथ पैर थरथराने लगे। मैं बुदबुदाया लगता है मेरा आक्सीजन लेबल पुनः तेजी से गिर रहा है।

तभी करंज की टहनियों ने मेरी हथेलियों को कस लिया। करंज ने कहा-दादू,तुम बिल्कुल चिंता मत करो। ऑक्सीजन का भंडार तो मेरे पास है ना। बस तुम मेरी उंगलियों को थामे रखना। तुम्हारे भीतर ऑक्सीजन का लेबल कभी कम नहीं होगा। करंज की बातों ने मेरे भीतर चमत्कारिक ऊर्जा का संचार किया। मैंने उसकी टहनियों को यूं कसकर थाम लिया, जैसे एक मासूम बच्चा अपनी मां की साड़ी के छोर को थामे रहता है।

करंज ने शीतल हवा के झोंकें मुझ पर बहाते हुए कहा- दादू, मैं सड़क पर लावारिस बच्चे की तरह पड़ा था।याद है, तुमने मुझे संरक्षण देकर अपने बच्चे की तरह पाला पोसा। तुम नहीं होते तो आज इस दुनिया में मेरा अस्तित्व नहीं रहता। मैं आजीवन तुम्हारा ऋणी रहूंगा दादू। करंज की बातों से मेरा हृदय द्रवित हो गया।

मैंने करंज की टहनियों को सहलाते हुए रुंधे गले से कहा-नहीं मेरे बच्चे, सच तो यह है कि मैंने तुम्हें अपने बच्चे की तरह कभी पाला ही नहीं है। मेरा बच्चा तो बिस्तर पर मल -मूत्र का त्याग करता था। उसकी सफाई कर कर के उसी गीले बदबूदार बिस्तर में मैं कई रातें सोकर गुजारता था। आज वही बच्चे मुझसे दूर विदेशों में बसे हैं। इस महामारी के दौर में अवसाद से घिरा मैं अकेला अपनी जिंदगी बचाने के लिए जूझ रहा हूं।

नहीं नहीं, ऐसा मत कहो दादू, । तुमने मुझे भी जीवन दान दिया है। मेरे होते हुए स्वयं को कभी अकेले मत समझना। अभी तो मैं हूं न। कहते हुए करंज मेरी ओर ऐसे झुका मानो वह मेरा चरण स्पर्श करने ब्याकुल है। इसे देखकर डबडबाई मेरी आंखों से आंसू की बूंदे गालों पर बह चली। मैंने करंज के पत्तों से उन्हें पोंछा और लम्बी सांस छोड़ते हुए कहा-नहीं मेरे बच्चे मैंने तुम्हें नहीं, तुमने मुझे जीवन दान दिया है। तुमने बता दिया कि मानव निर्मित कल -कारखाने कभी भी पेड़- पौधे, प्रकृति की तरह शुद्ध प्राणवायु ऑक्सीजन की आपूर्ति नहीं कर सकते हैं। तुमने इस बात को भी फिर से सिद्ध कर दिखाया है कि पौधों को पाले इंसान बस एक बार, फिर इंसानों को पौधे पालेंगे बारम्बार।

तब मेरी सेहत के प्रति चिंता व्यक्त करते हुए करंज ने कहा- रात बहुत हो गई है दादू। अब सो जाइए। आपके भीतर आक्सीजन लेबल को मैं गिरने नहीं दूंगा। भरोसा रखिए। इस पर विजयी मुस्कान के साथ करंज को दीर्घायु होने का आशीर्वाद देते हुए मैंने कहा- हां मेरे बच्चे, मुझे पूरा भरोसा है। मेरा आक्सीजन लेबल अब कभी कम नहीं होगा,क्योंकि मैंने प्रकृति से प्रगाढ़ रिश्ता जोड़ लिया है।

मेरी बातें सुनकर करंज की टहनियां नर्तकी की भांति थिरकती हुई मेरे होंठों को छूने लगी। तब कोमल टहनियों में लगे सफेद पुष्पों से संचारित मदमस्त खुशबू का आंनद मेरी घ्राणेन्द्रियां लेने लगी। मैं अचंभित हो उठा, क्योंकि कुछ देर पहले तक गंध पहचानने की मेरी शक्ति समाप्त हो गई थीं। मुझे लगा करंज की महिमा से मैं कोरोना वायरस की कैद से बाहर आ रहा हूं। मैं करंज की टहनियों को गले लगा खिलखिला कर हंस पड़ा।

प्रिंटेक स्केनर मिश्राबाड़ा, तात्यापारा, रायपुर 88899 14459

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर होल्डिंग कंपनी मर्यादित डंगनिया, रायपुर

फोन : 0771-2574702, फैक्स : 0771-2574702 | website : www.cspc.co.in

प्रमाणित किया जाता है कि पत्रिका के मेक मुद्रण/प्रकाशन आदि गुणवत्ता एवं पत्रिका के अंदर के पृष्ठों में 90 जीएसएम आर्ट पेपर (सिनारमास) और कवर पृष्ठों में 220 जीएसएम आर्ट पेपर (सिनारमास) का उपयोग किया गया है - मुद्रक